सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
पद, शक्ति और समृद्धि परिवर्तनशील है, लेकिन सिद्धांत, ज्ञान और सत्य हमेशा स्थायी है...!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-64 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 25 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए,

विश्व क्षय रोग दिवस पर जागरूकता का संदेश, इंद्रजीत सिंह छोटू की पहल से सेवा कार्यों को मिली नई दिशा

टीबी उन्मूलन का आह्वान, जरूरतमंदों के लिए नि :शुल्क सेवाएं बनी सहारा, लोगों ने अपनी समस्याएं और सुझाव किए साझा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर समाजसेवी एवं सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने टीबी (क्षय रोग) जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह बीमारी पूरी तरह से ठीक हो सकती है, बशर्ते समय पर जांच और उचित इलाज किया जाए।

उन्होंने लोगों से अपील की कि टीबी के लक्षणों को पहचानें, सही जानकारी फैलाएं और मरीजों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव न करें। नियमित जांच, संतुलित आहार, स्वच्छता और सही इलाज के माध्यम से इस बीमारी को जड़ से समाप्त किया जा सकता है।

इसी कड़ी में उन्होंने अपने पिता स्वर्गीय बीरा सिंह की स्मृति में संचालित श्री बीरा सिंह मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के माध्यम से जरूरतमंदों को बेहतर और सुलभ

इलाज उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि अस्पताल में सेवा भाव से हर संभव चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

सर्व समाज कल्याण समिति द्वारा जनसेवा के तहत कई महत्वपूर्ण निःशुल्क सेवाएं भी संचालित की जा रही हैं, जिनमें स्वर्ग रथ सेवा, एम्बुलेंस सेवा, बॉडी फ्रीजर सेवा तथा लावारिस अथवा जरूरतमंद व्यक्तियों के अंतिम संस्कार की व्यवस्था शामिल है। समिति ने अपील की है कि यदि किसी जरूरतमंद को इन सेवाओं की आवश्यकता हो, तो हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है।

वहीं कोहका स्थित समिति कार्यालय में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में इंद्रजीत सिंह छोटू ने क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, वरिष्ठजनों, माताओं-बहनों एवं युवाओं से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान लोगों ने अपनी समस्याएं और सुझाव साझा किए, जिन पर गंभीरता से चर्चा कर त्वरित समाधान का आश्वासन दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी आयोजनों के आमंत्रण भी प्राप्त हुए, जिन्हें स्वीकार करते हुए उन्होंने आयोजकों को सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। समाजसेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और जनसंवाद के इस समन्वय से इंद्रजीत सिंह छोटू की पहल क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव का संदेश दे रही है।

महापौर नीरज पाल ने पेश किया 1 सौ 11 करोड़ का सरप्लस बजट

पूजा-अर्चना के साथ पेश हुआ भिलाई का विजन बजट, विकास की रफ्तार को नई दिशा देने का

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिका निगम भिलाई में बुधवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट एक सकारात्मक और विकासोन्मुख माहौल में पेश किया गया। महापौर नीरज पाल ने अपने कार्यकाल का पांचवां और अंतिम बजट पेश करने से पहले विधिवत पूजा-अर्चना कर शहर की खुशहाली की कामना की और फिर पारंपरिक अंदाज में तिलक लगाकर बजट सूटकेस के साथ सदन पहुंचे।

हालांकि शुरुआत में विपक्ष की ओर से 4 साल भ्रष्टाचार बेमिसाल लिखा बैग रखकर हल्का विरोध जताया गया, लेकिन महापौर के विस्तृत और योजनाओं से भरे अभिभाषण के आगे विपक्ष का यह प्रदर्शन ज्यादा असर नहीं छोड़ सका।

भिलाई के भविष्य का रोडमैप

महापौर नीरज पाल ने अपने संबोधन में बजट को शहर के विकास का विजन डॉक्यूमेंट बताते हुए कहा कि पिछले 5 वर्षों में चुनौतियों के बावजूद निगम ने लगातार आगे बढ़ने का प्रयास किया है। उन्होंने सभी पाषर्दों और जनप्रतिनिधियों का आभार जताते हुए कहा कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर भिलाई के विकास को प्राथमिकता दी गई।

स्वच्छता में भिलाई आगे

नगर निगम ने स्वच्छता के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां गिनाईः देश में 78वें से 7वें स्थान तक की छलांग, 3-स्टार रेटिंग, ODF++ और Water Plus प्रमाणन, कचरे से संसाधन बनाने की दिशा में: 60 करोड़ का CPG प्लांट, वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट और C&D वेस्ट मैनेजमेंट इन योजनाओं से भिलाई को कचरा मुक्त और संसाधन संपन्न शहर बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

डिजिटल और पारदर्शी निगम की ओर कदम

ई-गवर्नेंस के जरिएः टैक्स और भवन अनुमति ऑनलाइन, ई-ऑफिस सिस्टम लागू, बायोमेट्रिक उपस्थिति, इन कदमों से प्रशासनिक पारदर्शिता और कार्यक्षमता बढ़ने का दावा किया गया।

इन्फ्रास्ट्रक्चर में बड़े प्रोजेक्ट्स

शहर को आधुनिक रूप देने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएंः 1000 सीटर ऑडिटोरियम, नंदिनी रोड चौड़ीकरण, नई सर्विस रोड और निगम भवन, 22.50 करोड़ का साइंस सेंटर, युवा, खेल और आवास पर फोकस, नए खेल मैदान, रनिंग ट्रैक, स्विमिंग पूल, बॉक्स क्रिकेट और फुटबॉल ग्राउंड, प्रधानमंत्री आवास योजना में हजारों मकान पूर्ण, पर्यावरण और सीवरेज में बड़ा निवेश, 189 करोड़ का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हैं।

विपक्ष का विरोध रहा सीमित

बजट की शुरुआत में विपक्ष ने भ्रष्टाचार के मुद्दे को उठाने की कोशिश जरूर की, लेकिन पूरे सत्र में ठोस मुद्दों पर कोई बड़ा विरोध या बहस देखने को नहीं मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि विस्तृत योजनाओं और बड़े प्रोजेक्ट्स के सामने विपक्ष का विरोध सीमित ही रह गया।

अमृत मिशन 2.0 के तहत नई परियोजनाएं

इससे शहर की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई गई।

आर्थिक संतुलन का प्रयास

कुल आयः 851 करोड़ (लगभग)
कुल व्ययः 740 करोड़ (लगभग)
अधिशेष का अनुमान

भावुक समापन, विकास का संदेश

अपने कार्यकाल के अंतिम बजट में महापौर नीरज पाल भावुक भी नजर आए। उन्होंने कहा-हमने पूरी निष्ठा से शहर के विकास का प्रयास किया, आने वाला समय भिलाई को और ऊंचाइयों तक ले जाएगा। भिलाई निगम का यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि शहर को आधुनिक, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने का एक व्यापक खाका बनकर सामने आया है। अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि इन योजनाओं को कितनी तेजी और पारदर्शिता के साथ जमीन पर उतारा जाता है। जैसे ही सामान्य सभा की कार्यवाही शुरू होने को हुई, विपक्ष ने माहौल को तल्ख बना दिया। नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा की ओर से टेबल पर एक बैग रखा गया, जिस पर बड़े अक्षरों में लिखा था- पूरे 4 साल भ्रष्टाचार बेमिसाल। इसके साथ ही बजट सत्र की शुरुआत सियासी तंज और आरोप-प्रत्यारोप के बीच हुई।

पानी की दिशा में ऐतिहासिक पहल

शहर की सबसे बड़ी समस्या : पेयजल- पर इस बार ठोस काम दिखता नजर आया, सुपेला, रामनगर, कैंप और खुर्सीपार में नए जलागार तैयार, पाइपलाइन विस्तार और टेस्टिंग अंतिम चरण में, 18-20 हजार परिवारों को सीधे लाभ मिलने का दावा, साथ ही स्मार्ट मीटरिंग की योजना से पारदर्शिता और निगम की आय दोनों बढ़ने की उम्मीद जताई गई।

बस्तर में बड़ा ब्रेकथ्रू: DKSZC सदस्य पापाराव सहित 18 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

बदलाव

एके-47 के साथ हथियार छोड़ेंगे, पहली बार संगठन नेतृत्वविहीन होने की ओर

नई दृष्टिबिंदु / बीजापुर

बस्तर में नक्सल उन्मूलन अभियान को बड़ी सफलता मिली है। पाप्पा राव (DKSZC सदस्य और साउथ सब जोनल ब्यूरो इंचार्ज) सहित कुल 18 माओवादी कैडरों ने आत्मसमर्पण का फैसला लिया है, जिनमें 7 महिला कैडर भी शामिल हैं। यह समूह सरकार के समक्ष हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने और शांतिपूर्ण जीवन अपनाने की इच्छा के साथ सामने आया है। पुनर्वास प्रक्रिया के तहत ये कैडर AK-47 सहित अन्य हथियार भी सौंपेंगे।

नेतृत्वविहीन होने की कगार पर संगठन

24 मार्च 2026 की इस घटना को दंडकारण्य क्षेत्र में माओवादी आंदोलन के इतिहास में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, पहली बार नक्सल संगठन प्रभावी रूप से नेतृत्वविहीन होता नजर आ रहा है, जो नक्सल मुक्त बस्तर के लक्ष्य की दिशा में अहम कदम है।

पापाराव ने क्या कहा?

आत्मसमर्पण से पहले पाप्पा राव ने कहा कि संगठन में हालात बदल रहे हैं और कई बड़े नेताओं के आत्मसमर्पण के बाद परिस्थितियां अलग हो गई हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों के कैंप बढ़ने से संगठन की गतिविधियां प्रभावित हुई, जिसके चलते काफी सोच-विचार के बाद यह निर्णय लिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि अब हथियार छोड़कर लोकतांत्रिक तरीके से जनता के लिए काम करना ही सही रास्ता है, हालांकि वे खुद चुनावी राजनीति से दूर रहना चाहते हैं। यह आत्मसमर्पण बस्तर में बदलते हालात और शांति की ओर बढ़ते कदमों का बड़ा संकेत माना जा रहा है।

कैडरों ने बदली राह

पुलिस और प्रशासन का मानना है कि लगातार सुरक्षा कैंपों के विस्तार और बदलते हालात के चलते कैडर अब हिंसा छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि शेष बचे नक्सली भी जल्द लौटेंगे।

बर्ड फ्लू का कहर, मुर्गियों की मौत के बाद हाई अलर्ट

1 किमी इन्फेक्टेड, 10 किमी सर्विलांस जोन घोषित, बिक्री, परिवहन पूरी तरह प्रतिबंधित

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में एच5 एन1 (बर्ड फ्लू) की पुष्टि के बाद प्रशासन ने बड़ा कदम उठाते हुए पूरे इलाके में हाई अलर्ट घोषित कर दिया है। संजय अग्रवाल (कलेक्टर) के निर्देश पर प्रभावित क्षेत्र को इन्फेक्टेड और सर्विलांस जोन में बांटते हुए सख्त पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। कोनी स्थित शासकीय पोल्ट्री फार्म में संक्रमण मिलने के बाद एक किलोमीटर क्षेत्र को इन्फेक्टेड जोन और 1 से 10 किलोमीटर क्षेत्र को सर्विलांस जोन घोषित किया गया है। इन्फेक्टेड जोन में रामकृष्ण परमहंस नगर और विद्यासागर नगर वार्ड शामिल हैं।

5 हजार से ज्यादा पक्षियों की मौत, मचा हड़कंप

पिछले 5 दिनों में कोनी क्षेत्र के पोल्ट्री फार्म में 5 हजार से अधिक मुर्गे-मुगियों की संदिग्ध मौत हुई है। इसके बाद सैंपल जांच के लिए भेजे गए, जहां बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई।

पोल्ट्री कारोबार पर रोक

प्रशासन ने इन्फेक्टेड और सर्विलांस जोन में मुर्गी, अंडे समेत सभी पोल्ट्री उत्पादों की बिक्री, परिवहन और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। दुकानों को अस्थायी रूप से बंद करने और डोर-टू-डोर डिलीवरी पर भी रोक लगा दी गई है।

रैपिड रिस्पांस टीम एक्टिव, कूलिंग-डिस्पोजल शुरू

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के एक्शन प्लान के तहत रैपिड रिस्पांस टीमों का गठन कर दिया गया है। ये टीमें संक्रमित पक्षियों की कूलिंग (नष्ट करने), निपटान, कीटाणुशोधन और लगातार निगरानी का काम कर रही हैं।

स्वास्थ्य पर भी नजर, कर्मचारियों की जांच

पोल्ट्री फार्म में कार्यरत कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच शुरू कर दी गई है। लक्षण मिलने पर सैंपल जांच और जरूरत पड़ने पर एंटीवायरल दवाएं दी जाएंगी।

सख्त चेतावनी-आदेश उल्लंघन पर कार्रवाई

कलेक्टर ने सभी विभागों—स्वास्थ्य, पशुपालन, पुलिस और प्रशासन को समन्वय से त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि अफवाहों से बचें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें, अन्यथा सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिले में बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है और हालात पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

सभापति ट्रॉफी भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में कुथरेल वार्ड-18 ने जीता खिताब

विधायक ललित चंद्राकर ने किया खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ग्राम कुथरेल में आयोजित वार्ड स्तरीय सभापति ट्रॉफी भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन उत्साह और खेल-भावना के साथ हुआ। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के विधायक ललित चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता का रोमांचक फाइनल मुकाबला कुथरेल वार्ड-01 और वार्ड-18 की टीमों के बीच खेला गया। कड़े संघर्ष के बाद मेजबान कुथरेल की वार्ड-18 टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि वार्ड-01 की टीम उपविजेता रही। विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, मेडल व प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। व्यक्तिगत उत्कृष्ट प्रदर्शन—बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर एवं मैन ऑफ द मैच—को भी विशेष पुरस्कारों से नवाजा गया।

मुख्य अतिथि विधायक ललित चंद्राकर ने कहा, खेल न केवल शारीरिक स्फूर्ति देता है, बल्कि अनुशासन, टीम-वर्क और नेतृत्व के गुण भी सिखाता है। ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को मंच देने वाले ऐसे आयोजनों से युवा ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगती है। राज्य सरकार खेल अधोसंरचना—ग्रामीण स्टेडियम, मैदानों का उन्नयन, प्रशिक्षण सुविधाएँ—को निरंतर सुदृढ़ कर रही है, ताकि हमारे गाँव के खिलाड़ी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करें। उन्होंने आयोजन समिति, निर्णायकों एवं सहयोगियों की सराहना करते हुए आश्वस्त किया कि क्षेत्र में खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा।

आयोजक एवं जनपद सभापति लोमश चंद्राकर ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा, सभी टीमों ने बेहतरीन खेल भावना के साथ शानदार प्रदर्शन किया—आप सभी बधाई के पात्र हैं। यह तो शुरुआत है, आगे और भी बेहतर आयोजन होंगे, और हम सुविधाएँ व स्तर दोनों को और ऊँचा ले जाएँगे। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी देवांगन, गोकुल वर्मा, ग्राम सरपंच श्रीमती गीता गजपाल, चिरपोटी सरपंच श्रीमती पूजा चंद्राकर, जंजगिरी सरपंच श्रीमती गीता ठाकुर, छत्तीसगढ़ी फिल्म अभिनेता मन कुरैशी, दिनानाथ चंद्राकर, देवनारायण चंद्राकर, पेमेन्द्र मानिकपुरी, राजू चंद्राकर, राजेश चंद्राकर, नरेंद्र मानिकपुरी, राहुल चंद्राकर, गंगाराम चंद्राकर, कु. जानवी चंद्राकर, मोनू चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी, खेलप्रेमी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

खास खबर

कैम्प-1 कब्रिस्तान में मनाया हजरत अफजलुद्दीन हैदर का उर्स

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जामा मस्जिद दुर्ग के इमाम रहे हजरत अफजलुद्दीन हैदर का उर्स मुबारक सोमवार को सुबह कब्रिस्तान हैदरगंज में मनाया गया। उर्स में दुर्ग-भिलाई के अलावा आसपास के क्षेत्रों से हजरत हैदर के चाहने वाले अकीदतमंद बड़ी तादाद में इकट्ठा हुए। यहां सुबह 7 बजे से कुरआन ख्वानी के साथ आयोजन शुरू हुआ। उर्स में फातिहा ख्वानी हुई और हजरत हैदर की हालाते-जिंदगी पर आलिमे दीन ने रोशनी डाली। यहां हजरत हैदर के बेटे और जामा मस्जिद सेक्टर-6 के साबिक इमाम मरहूम हाफिज अजमलुद्दीन हैदर को भी लोगों ने याद किया।

उर्स बड़ी कामयाबी के साथ सुबह 11.30 बजे तक चला। उर्स में तमाम मरहूमिन के इसाले सवाब के लिए 730 खत्म ए क़ुरआन शरीफ, करोड़ो की तादात में दरूद, कलमा शरीफ और हजारों की तादात में मुख्तलिफ सिपारे बख्शे गए। उर्स का आगाज परचम कुशाई व तिलावते क़ुरआन से हुआ। तिलावत हजरत हैदर के नवासे सैय्यद अहद अली ने की।

इस दौरान मौलाना ताजीम अहमद मस्जिद शेर ऐ खुदा और मौलाना रिजवान अशरफी केलाबाड़ी दुर्ग ने हजरत अफजलुद्दीन हैदर की हालात ऐ जिन्दगी पर रोशनी डाली। वहीं महफिल में नात ओ मनकबत पेश किए गए। जलसे की निजामत मौलाना गुलाम मोहियुद्दीन ने की। दुर्ग-भिलाई की तमाम मस्जिदों-मदरसों के इमाम व उस्ताद इस इजलास में शरीक हुए। इनमें मुफ़्ती जलालुद्दीन, मुफ़्ती जामी क़मर अशरफी, कारी शराफत राजा, मौलाना अरशद रजा चरोदा, मुफ़्ती सलीम जामा मस्जिद दुर्ग, मौलाना मंसूर रजा तकिया पारा दुर्ग, इक़बाल अंजुम अशरफी इमाम जामा मस्जिद सेक्टर-6, कब्रिस्तान कमेटी के मुर्तुजा हुसैन, मिर्जा आसिम बेग सदर जामा मस्जिद सेक्टर 6, राजू सदर नूरी मस्जिद फरीद नगर, इरफान खान सदर कैम्प 1 मस्जिद, शमीम, शब्बू, करबला कमेटी के गुलाम सैलानी, अतहर खान, सैय्यद राशिद आली, आलम सहित दुर्ग, राजनांदगांव चरोदा व अन्य जगहों से हजरत के चाहने वाले बड़ी तादाद में चादर-शीरनी लेकर शामिल हुए। हजरत के परिवार की ओर से मोहम्मद अरशदउद्दीन हैदर और मोहम्मद असदउद्दीन ने आने वाले तमाम जायरीन का शुक्रिया अदा किया।

धूमधाम से निकली माता जी की पालकी यात्रा

धर्मप्रेमियों ने अपने कंधे में पालकी उठाकर माता जी को कराया नगर भ्रमण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी दुर्ग के सत्तीचौरा में स्थित माँ दुर्गा मंदिर के 16वे वाषिकीत्सव एवं चेत्र नवरात्र पर्व के अवसर पर रविवार को बाजे गाजे झांकी घोड़ी, बग्गी आतिशबाजी के साथ माता जी को पालकी में बैठाकर नगर भ्रमण कराया गया। जिसमें विशेष रूप से छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध जस झांकी मंडली द्वारा आकर्षित झांकी की प्रस्तुति ने धूम मचा दी।

समिति के ललित शर्मा पिंकी गुप्ता ने बताया कि श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर के 16 वे वार्षिक उत्सव एवं चैत्र नवरात्र पर्व के अवसर पर चौथे दिवस माता जी की ऐतहासिक पालकी एवं भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। माता जी की पालकी यात्रा सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर से प्रारंभ होकर गंजपारा से शनिचरी बाजार, गांधी चौक, मोती काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्किट, चंडी चौक, शिवपारा सिद्धार्थ नगर से होते हुए माँ दुर्गा मंदिर पहुँची।

शोभायात्रा में माता जी की पालकी के साथ साथ, श्री माता जी की चलित झांकी, धुमाल पार्टी, डीजे, जस झांकी घोड़ी बग्गी साथ साथ रही। शोभायात्रा सँध्या 5 बजे मां दुर्गा मंदिर से प्रारंभ की गयी जिसमें सबसे पहले माता के दरबार के सामने सभी बाजा ग्रुप ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी फिर शोभायात्रा प्रारंभ हुई।

पालकी यात्रा में मातृशक्ति ने सबसे पहले सत्तीचौरा दुर्गा मंदिर में स्थापित चांदी की उत्सव मूर्ति को पालकी में बैठाया पालकी को कंधे में उठाकर माता जी मन्दिर परिसर से बाहर निकालकर रखा जहां भक्तो द्ववारा पूजा अचर्ना की गई। शोभायात्रा में शहर में अलग अलग स्थानों में विभिन्न समाज, राजनीतिक दल, धार्मिक संगठन के लोगों ने पालकी का भव्य स्वागत किया जिसमें विभिन्न स्थानों में शरबत पोहा बिस्किट फल पानी स्वल्पाहार फलाहार गुल्फी आइसक्रीम आदि सामाग्री का वितरण किया साथ ही साथ फूलों की वर्षा, आतिशबाजी के साथ माता जी की पालकी का पूरे नगर में स्वागत किया गया।

दुर्ग ही नही पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश का यह पहला ऐसा स्थान है जहां से माता जी की पालकी यात्रा निकाली जाती है, जिसका प्रत्यक्ष लाभ सभी धर्मप्रेमियों को होता है। क्षेत्र के सभी नागरिक माता जी की पालकी को कंधे में उठाकर नगर भ्रमण करवाते है, पूरे नगर के भ्रमण के पश्चात माता जी की पालकी सत्तीचौरा दुर्गा मंदिर पहुँची जहां माता जी की आरती कर पुनः मंदिर में विराजमान किया। शोभायात्रा में गोरिल्ला कलाकार में सभी का दिल जीत लिया। पूरे धर्मप्रेमियों के बीच में आकर माता के भजनों में झूमते नजर आए, जो आकर्षण का केंद्र रहा, चलित झांकी में।

शोभायात्रा में विशेष रुप से राजेंद्र साहू, अरुण वोरा, प्रतिमा चंद्राकर, धीरज बाकलीवाल, श्याम शर्मा, राजेश यादव, अजय शर्मा, अशोक राठी, महेश टावरी, प्रवीण भूतड़ा, योगेन्द्र शर्मा बंटी, पायल जैन, सुरेश गुप्ता, डॉ मानसी गुलाटी, राजेश शर्मा, बसन्त शर्मा, दीपक चावड़ा, निर्मल शर्मा प्रतिभा सुरेश गुप्ता, कुलेश्वर साहू पार्षद, शिव नायक पार्षद, मनोज भूतड़ा नरेंद्र गुप्ता पिंकी गुप्ता गुड्डू कश्यप डब्बू चंद्रवंशी ललित शर्मा मनोज गुप्ता मनोज शर्मा विवेक मिश्रा राहुल शर्मा ईशान शर्मा मनोज गुप्ता लाला हर्षद पारख अर्जित शुक्ला दिनेश शर्मा प्रकाश सिन्हा मनीष सेन सोनल सेन संजय शर्मा गोपाल शर्मा घनश्याम पंड्या मनोज श्रीवास्तव नरेंद्र शर्मा रिषि गुप्ता नमन खण्डेलवाल कृतज्ञ शर्मा बिल्लू गुप्ता विनय मिश्रा सुयश गुप्ता सन्दीप गुप्ता एवं समित्ति के सदस्य और हाजरों धर्मप्रेमी उपस्थित थे।

शिवनाथ नदी में जलस्तर गिरा, जिले की जलापूर्ति पर भी मंडराया संकट

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

गर्मी की शुरुआत होते ही ग्राम झोला स्थित शिवनाथ नदी का जलस्तर तेजी से गिरने लगा है। हालात ऐसे बनते जा रहे हैं कि आने वाले दिनों में यह नदी पूरी तरह सूख सकती है, जिससे राजनांदगांव ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ दुर्ग-भिलाई शहर की पेयजल व्यवस्था पर भी संकट गहराने की आशंका बढ़ गई है। वर्षो से यह नदी आसपास के गांवों और शहरी क्षेत्रों के लिए जीवनरेखा रही है।

झोला में निर्मित पानी टंकी और सोमनी फिल्टर प्लांट के माध्यम से नवागांव, बघेरा, भाटागांव, बैगाटोला, अचानकपुर, फुलझर, मगलोटा, कोपेडीह, फरहद, काकरेल, इंदावानी, पर्मल्कासा सहित करीब 16 गांवों में पेयजल सप्लाई की जाती है। इसके अलावा शिवनाथ नदी का पानी दुर्ग-भिलाई शहर की जलापूर्ति व्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण स्रोत है।

लेकिन नदी में तेजी से घटते जलस्तर के कारण इस पूरी सप्लाई व्यवस्था पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, अभी भीषण गर्मी पूरी तरह शुरू भी नहीं हुई है और नदी का पानी तेजी से कम हो रहा है। यदि जल्द ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई, तो हजारों ग्रामीणों के साथ शहरी आबादी को भी पीने के पानी के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

क्षेत्र में पानी की कमी को लेकर चिंता लगातार बढ़ रही है। ग्रामीणों के साथ-साथ अब शहरवासियों की नजर भी प्रशासन पर टिकी हुई है कि इस संभावित संकट से निपटने के लिए समय रहते ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि आने वाले दिनों में संभावित जल संकट को टाला जाए।

मृतकों के परिजनों को मिली आर्थिक सहायता

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विभिन्न दुर्घटनाओं में असमय मृत्यु का शिकार हुए व्यक्तियों के परिजनों के लिए कुल 16 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनुभाग दुर्ग के अंतर्गत ग्राम मतवारी निवासी पप्पू लाल चौधरी की 7 फरवरी 2025 को शिवनाथ नदी के महमरा एनीकेट में नहाते समय डूबने से मृत्यु हो गई थी। इसी प्रकार, भिलाई-03 अनुभाग के ग्राम लिमतरा निवासी जगतराम यादव की 27 सितम्बर 2021 को गांव के डबरी तालाब में डूबने से मृत्यु हुई। अन्य प्रकरणों में, ग्राम सिकोला निवासी गुरुप्रकाश साहू की 27 मार्च 2024 को सिकोला तालाब में डूबने से और सुपेला भिलाई निवासी लोहित राव की 1 नवम्बर 2018 को रायपुर के महादेव घाट स्थित खारून नदी में नहाते समय डूबने से मृत्यु हो गई थी। कलेक्टर द्वारा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रावधानों के अनुरूप स्व. पप्पू लाल चौधरी की पत्नी रेखा चौधरी, स्व. जगतराम यादव के पुत्र कोमल यादव, स्व. गुरुप्रकाश साहू की पत्नी शालिनी साहू और स्व. लोहित राव की माता वेंकट रत्ना को क्रमश: 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

सुशासन की नई पहल से अब गांवों में ही होगा समस्याओं का निदान-कलेक्टर अभिजीत सिंह

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ग्रामीण प्रशासन को अधिक जनोन्मुख, पारदर्शी और संवेदनशील बनाने के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इस पहल के तहत जिले की ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सचिवालय और जनपद पंचायत स्तर पर खण्ड सचिवालय की स्थापना की जा रही है, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण स्थानीय स्तर पर ही संभव हो सके।

यह व्यवस्था छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा वर्ष 2004 में जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप पुनः प्रभावी की गई है। ग्रामीण स्तर पर आयोजित होने वाले ग्रामीण सचिवालय के लिए सप्ताह के विभिन्न दिन जैसे सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार निर्धारित किए गए हैं।

इन सचिवालयों में 11 महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है, जिनमें ग्राम पंचायत सचिव, पटवारी, सहायक विकास विस्तार अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, लाइनमेन, पंप मैकेनिक, सहकारिता समिति सेवक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, प्रधान पाठक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता और पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक शामिल हैं।

इसी क्रम में जनपद स्तर पर खण्ड सचिवालय की विस्तृत कायर्योजना तैयार की गई है। जनपद पंचायत दुर्ग में खण्ड सचिवालय का आयोजन प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय बुधवार को जनपद पंचायत भवन दुर्ग में किया जाएगा। जनपद पंचायत धमधा के लिए प्रत्येक माह का प्रथम एवं तृतीय सोमवार निर्धारित किया गया है और इसका आयोजन जनपद पंचायत भवन धमधा में होगा। वहीं, जनपद पंचायत पाटन में यह आयोजन माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को जनपद पंचायत भवन पाटन में संपन्न होगा। इन खण्ड सचिवालयों में सम्बन्धित जनपद क्षेत्र के खण्ड स्तर के समस्त अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इन सचिवालयों की प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक माह की 05 और 20 तारीख को अनिवार्य रूप से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के माध्यम से जिला कार्यालय को प्रस्तुत की जाएगी ताकि विकास कार्यों और जन-शिकायतों की समीक्षा प्रभावी ढंग से की जा सके।

शहीद दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए अरुण वोरा, वीर सपूतों को दी श्रद्धांजलि

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहीद चौक में भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु के शहादत दिवस के अवसर पर श्रीगुरु सिंह सभा, दुर्ग, खालसा एजुकेशन सोसायटी एवं खालसा स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक अरुण वोरा शामिल हुए और देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में सिख समाज के प्रमुखजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने एक स्वर में शहीदों के बलिदान को नमन किया। वातावरण देशभक्ति के भाव से ओतप्रोत रहा।

इस अवसर पर अरुण वोरा ने कहा कि भगत सिंह, सुखदेव थापर एवं शिवराम राजगुरु का बलिदान देश के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उनका साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर एक न्यायपूर्ण, समान और सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम में अरुण वोरा के साथ पूर्व महापौर आर. एन. वर्मा, फतेह सिंह भाटिया, राजू भाटिया, परमजीत सिंह भुई, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अजय मिश्रा, राजकुमार पाली, इंदर पाल सिंह भाटिया, अजय गुप्ता, राहुल अग्रवाल, पप्पू श्रीवास्तव, महेंद्र पाल सिंह भाटिया, विकास सापेकर, सुधीर चंदेल, राजेंद्र पाल सिंह भाटिया एवं सतबीर सिंह भाटिया सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने अमर रहे, अमर रहे के जयघोष के साथ शहीदों को नमन किया।

एनिमल केयर वर्कशॉप : इंसानों व पशुओं के प्राथमिक उपचार के बताए तरीके

कन्याण कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया एनिमल केयर वर्कशॉप में प्रैक्टिकल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शिक्षाधानी भिलाई के सेक्टर-7 स्थित कल्याण कॉलेज में एनिमल केयर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें इंसानों से लेकर प्राणियों के लिए फर्स्ट एड की महत्ता के बारे में बताया गया। फर्स्ट एड के कई पहलुओं से प्रैक्टिकल करके सिखाया गया। कॉलेज के प्राणीशास्त्र विभाग और एनिमल वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में फर्स्ट एड सिखा विषय पर कायर्शाला आयोजित किया गया। इस कायर्शाला में विद्याथिर्यो को आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) कि व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी, प्राध्यापक और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इन तकनीकों को करें अप्लाई

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.अजय पटेल और पीपल फॉर एनिमल्स के प्रोजेक्ट मैनेजर कुशल गजपाल ने विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार से जुड़ी महत्वपूर्ण तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना या आपात स्थिति में तत्काल सही प्रतिक्रिया जीवन बचा सकती है। घाव, रक्तस्राव, जलने, फ्रैक्चर जैसी स्थितियों में प्रारंभिक उपचार करने के तरीकों के बारे में बताया गया।

पशु-मानव दोनों के लिए फर्स्ट एड जरूरी

कॉलेज के प्राचार्य डॉ.विनय शर्मा ने विद्यार्थियों के लिए ऐसी व्यावहारिक कार्यशालाओं को बेहत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आज के समय में हर विद्यार्थी को फर्स्ट एड का ज्ञान होना आवश्यक है, क्योंकि यह किसी की जान बचाने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

एनिमल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष पार्थ चंद्राकर ने कहा कि फर्स्ट एड केवल एक कौशल नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। यह कार्यशाला विद्यार्थियों को न केवल जागरूक बनाती है, बल्कि उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिक भी बनाती है। उपाध्यक्ष दीपिका ने विद्यार्थियों को सामाजिक कार्यो में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। सचिव यश प्रदीप घोडके और कमलेश भोई ने कार्यक्रम के सफल संचालन एवं आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यशाला में प्राणीशास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ.शिप्रा सिन्हा के नेतृत्व में गंगा साहू, दिपांशु तरम सहित विभाग के अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा। इस दौरान कॉमर्स फैकल्टी के हेड डॉ.सलीम अकील, साइंस फैकल्टी के हेड डॉ.गुणवंत चन्द्रौल, फिजिक्स डिपाटर्मेंट की एचओडी डॉ.नीलम शुक्ला, बॉयोटेक्नालॉजी की हेड डॉ.सौम्या खरे, सीनियर फैकल्टी मेंबर डॉ.कविता वर्मा, डॉ.आरती मिश्रा की उपस्थिति रही।

विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण और सेवा के महत्व को समझा

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से फर्स्ट एड तकनीकों को समझा और अभ्यास भी किया। इस सत्र ने विद्यार्थियों में सेवाभाव, जागरुकता और आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला को ज्ञानवर्धक, बहुपयोगी, जीवनोपयोगी और जीवन रक्षक अनुभव बताते हुए भविष्य में ऐसे और कार्यक्रमों की अपेक्षा की।

युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा नालंदा परिसर में

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि नालंदा परिसर के निर्माण से बस्तर के छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के 14 नगर निगम क्षेत्रों में ऐसे परिसर बनाए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। केदार कश्यप ने शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर जगदलपुर में प्रस्तावित नालंदा परिसर का विधिवत भूमिपूजन किया। इस नालंदा परिसर का निर्माण लगभग 11 करोड़ 59 लाख की लागत से किया जाएगा, जिसमें 500 सीटर बैठक व्यवस्था, 24 घंटे सातों दिन पढ़ने की सुविधा, वाई फाई, पार्किंग और गार्डन की सुविधा रहेगी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि युवाओं से समय का सदुपयोग करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान किया। महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर में नालंदा परिसर के निर्माण से विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को भी काफी सुविधा होगी। नालंदा

परिसर में स्मार्ट लाइब्रेरी व स्टडी जोन होगा। हजारों किताबों के संग्रह के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ई-बुक एक्सेस करने की भी सुविधा होगी।

स्मार्ट लर्निंग पर फोकस होगा। 247 वाईफाई और इंटरनेट की सुविधा भी छात्रों को यहां मिलेगी। सिविल सविर्सेज के साथ मेडिकल, इंजीनियरिंग, क्लैट की तैयारी के साथ मैथ्स ओलिंपियाड के लिए भी किताबें यहां होगी। नालंदा परिसर का निर्माण धरमपुरा क्षेत्र में हो आपके विधायक श्री किरण देव लगातार प्रयासरत रहे। नालंदा परिसर के निर्माण से हमारे आने वाली पीढ़ी को शिक्षा क्षेत्र में लाभ होगा। उन्होंने कहा हमारी सरकार की मंशा है कि शिक्षा का स्तर बढ़ाना है।

इस अवसर पर स्थनीय विधायक किरण देव ने कहा कि आज के हमारे युवा साथी भारत वर्ष की नींव है। बस्तर के युवा नालंदा परिसर में पढ़ाई कर अपना भविष्य खुद तय करेंगे। उन्होंने कहा कि प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय विश्व की ख्यातिप्राप्त संस्था रही है और इसी अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए नालंदा परिसर का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसके तहत प्रदेश के विभिन्न निकायों में निर्माण कार्य जारी है।

उन्होंने बताया कि यह परिसर बस्तर के छात्रों की बहुप्रतीक्षित मांग थी, जहां विद्यार्थी 24 घंटे अध्ययन कर सकेंगे और अपने भविष्य को संवार सकेंगे। उन्होंने नालंदा परिसर के निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक एवं पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, ब्रेवरेज कार्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा, निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, प्रोफेसर एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

खास खबर

गलियों में घूमने वाली गायों के गले में रेडियम रिफ्लेक्टिव कॉलर लगाए गए

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जेसीआई रायपुर राइस सिटी द्वारा "Ek Collar – Saving Many Lives" पहल के तहत रायपुर के वीआईपी रोड पर सड़कों पर घूमने वाली गायों के गले में रेडियम रिफ्लेक्टिव कॉलर लगाए गए, ताकि रात में उनकी पहचान हो सके और सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

इस अभियान का उद्देश्य मानव जीवन के साथ-साथ पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और समाज में जागरूकता फैलाना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जेसी आशीष गोयल ने इसे प्रेरणादायक पहल बताया, वहीं अध्यक्ष जेसी शिवांगी मित्रा ने कहा कि छोटी कोशिश भी बड़ी दुर्घटनाओं को रोक सकती है। इस पहल के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि छोटी-छोटी जागरूकता और सेवा कार्य कई जिंदगियां बचा सकते हैं।

हैदराबाद-जगदलपुर-रायपुर हवाई सेवा 31 मार्च से

रायपुर। लंबे समय से बंद जगदलपुर-रायपुर सेक्टर पर एलायंस एवर ने फ्लाइट शुरू करने की घोषणा कर दी है।29 मार्च से शुरू हो रहे समर शेड्यूल में हैदराबाद-जगदलपुर-रायपुर सेक्टर पर 31 मार्च से फ्लाइट शुरू होगी। बीते लंबे समय से इस सेक्टर पर विमान सेवा की मांग लोग कर रहे थे। इधर जगदलपुर-जबलपुर-दिल्ली फ्लाइट को एलायंस एयर ने बंद कर दिया है। सोमवार को आखिरी बार दिल्ली के लिए एलायंस एयर के विमान ने जगदलपुर से उड़ान भरी। हैदराबाद-जगदलपुर-रायपुर सेक्टर में में फ्लाइट हैदराबाद-जगदलपुर, जगदलपुर-रायपुर, रायपुर-रीवा, रीवा-रायपुर, रायपुर-जगदलपुर व जगदलपुर-हैदराबाद के बीच चलेगी। हैदराबाद से एलायंस एयर की फ्लाइट सुबह 7.50 बजे टेकऑफ करेंगी, जो 9.10 बजे जगदलपुर में लैंड होगी। जगदलपुर से 9.35 बजे रायपुर के लिए टेकऑफ करने के बाद विमान 10.30 बजे रायपुर में लैंड होगी। वापसी में रायपुर से दोपहर 2.25 बजे उड़ान भरकर विमान 3.20 बजे जगदलपुर और यहां से 3.45 बजे टेकऑफ कर शाम 5.05 बजे हैदराबाद जाएगी।

छत्तीसगढ़ शासन खेलों को विशेष प्राथमिकता दे रही है, खिलाड़ी लगन के साथ कड़ी मेहनत करें तो सफलता जरूर मिलेगी- बाइचुंग भूटिया

सरगुजा ओलम्पिक 2026 : तीन दिवसीय संभागस्तरीय आयोजन का शानदार समापन हुआ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सरगुजा ओलम्पिक 2026 के संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं का शानदार समापन सोमवार को पीजी कॉलेज ग्राउण्ड अम्बिकापुर में हुआ। समापन समारोह में भारतीय फुटबाल टीम के पूर्व कप्तान, पद्मश्री एवं अर्जुन अवार्ड से सम्मानित बाइचुंग भूटिया शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं आज यहाँ सिक्किम से आप सभी खिलाड़ियों में जोश की भावना सिंचित करने आया हूं। आप सबको मैं एक ही मैसेज देना चाहता हूं कि आप लोग लगन के साथ कड़ी मेहनत करें, सफलता जरूर मिलेगी। मुझे खुशी है कि छत्तीसगढ़ शासन खेलों को विशेष प्राथमिकता दे रही है। इसका असर हमें जरूर दिखेगा और छत्तीसगढ़ के युवा खेलों में देश का नाम रोशन करेंगे।

उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मैं भी ट्राइबल लड़का हूँ और सिक्किम के छोटे से गाँव से आता हूं। वहाँ से निकलकर मुझे भारत के लिए खेलने का मौका मिला है, यह मैटर नहीं करता कि आप कहां से हैं जबकि आपकी प्रतिभा और मेहनत आपको आगे लेकर जाती है। मुझे भरोसा है कि आने वाले समय मे छत्तीसगढ़ से भी बहुत से खिलाड़ी ओलम्पिक मेडल लेकर आएंगे और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं, वहीं शासन प्रशासन को धन्यवाद दिया।

हमें गर्व है कि हमारे अंचल में ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं- मंत्री नेताम

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि किसी काम को पूरा करने में अगर पूरी जुनून, लगन और अनुशासन हो, तो निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी। हमारी छत्तीसगढ़ सरकार ने युवाओं को अवसर दिया है, आज छत्तीसगढ़ के हर कोने से खिलाड़ी निकलकर आ रहे हैं। आपको जो प्लेटफार्म मिला है, इसका भरपूर उपयोग करें और आगे आएं। हमें गर्व होता है कि सरगुजा अंचल में ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जो राष्ट्रीय मंच पर अपना एक जलवा बिखेर चुके हैं। निश्चित ही आने वाले समय में भी इन खेलों के माध्यम से प्रदेश के खिलाड़ी भी देश के लिए मेडल जीतकर लाएंगे। उन्होंने सभी विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

दो हजार से अधिक प्रतिभागियों ने 12 खेल विधाओं में लिया हिस्सा

सरगुजा ओलंपिक 2026 के समापन अवसर पर भारतीय फुटबॉल जगत के दिग्गज और पूर्व कप्तान अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित बाइचुंग भूटिया ने जोहार सरगुजा से अभिवादन कर खिलाड़ियों में जोश भरते हुए उन्हें कड़ी मेहनत और अटूट संकल्प का मंत्र देते हुए युवाओं को खेल जगत में अपनी पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

सिक्किम से सरगुजा तक के अपने सफर का जिक्र करते हुए भूटिया ने कहा कि भौगोलिक दूरियाँ प्रतिभा के आड़े नहीं आतीं। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, मैं सिक्किम के एक बहुत छोटे से गाँव से निकलकर भारत के लिए खेल सका। मेरा गाँव सरगुजा से भी छोटा है। इसलिए यह कभी न सोचें कि आप किसी कोने में हैं, तो प्रोफेशनल खिलाड़ी नहीं बन सकते। अपने मन से यह शंका निकाल दें और खुद पर विश्वास रखें।

छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों की सराहना

बाइचुंग भूटिया ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खेलों को दी जा रही प्राथमिकता की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने बस्तर ओलंपिक के अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं को एक सशक्त मंच प्रदान कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं और खेल को प्राथमिकता दे रही है। जिससे सुदूर क्षेत्रों के खिलाड़ियों की प्रतिभा को मंच मिला है। खेल विधाओं को अवसर मिल रहा है। आने वाले समय में छत्तीसगढ़ से न केवल राष्ट्रीय खिलाड़ी, बल्कि ओलंपिक मेडलिस्ट भी निकलेंगे।

सिंसियरिटी व हार्ड वर्क से मिलेगी सफलता

उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, सरकारी सहयोग और इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ व्यक्तिगत मेहनत सबसे महत्वपूर्ण है। सफलता के लिए फोकस्ड रहना, ईमानदारी से प्रयास करना और अंतिम तक हार न मानना ही सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने कहा कि शासन की इन पहलों का सकारात्मक परिणाम जल्द ही देश के खेल मानचित्र पर दिखाई देगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन, खेल युवा कल्याण विभाग एवं जिला प्रशासन को सरगुजा ओलंपिक में आमंत्रित करने के लिए आभार प्रकट किया।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि सरगुजा ओलम्पिक का सफल आयोजन आज यहां सम्पन्न हुआ। यह सरगुजा सम्भाग के खिलाड़ियों के लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर इस पूरे आयोजन में मिला है। उन्होंने कहा कि सरगुजा ओलम्पिक में 12 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित हुई है, हमारा प्रयास रहेगा कि आगामी आयोजन में सरगुजा जिले के अन्य पारम्परिक खेलों को भी इसमें शामिल किया जाए। उन्होंने सभी जिलों से आए खिलाड़ियों को बधाई दी तथा विजेता खिलाड़ियों को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 26 मार्च से अब खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का शुरुआत होगा जिसमें रायपुर सहित बस्तर सरगुजा में भी खेल आयोजित होंगे।

कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती तनुजा सलाम ने समापन समारोह में सरगुजा ओलम्पिक 2026 के पूरे आयोजन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सरगुजा ओलम्पिक के शानदार सफल आयोजन के लिए सभी को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, सरगुजा सम्भागायुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा, कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ विनय अग्रवाल, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी, खिलाड़ी एवं कोच उपस्थित रहे।

रस्साकशी का हुआ जबरदस्त मुकाबला

समापन समारोह में जशपुर एवं बलरामपुर की महिला खिलाड़ियों के बीच रस्साकशी का प्रदर्शनात्मक मुकाबला हुआ। दोनों टीमों के प्रतिभागियों ने जीत के लिए जोर लगाया, खींचा- तानी के बीच जशपुर की टीम विजेता रही। विजेता घोषित होने के साथ ही पूरा ग्राउण्ड तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

विभागों से डेटा समन्वय के लिए कार्यशाला : डाटा में एकरूपता जरूरी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सचिव श्री भुवनेश यादव की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में कायर्शाला सह बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्य स्तर पर विभागीय आंकड़ों के मानकीकरण एवं प्रशासनिक डेटा लिंकिंग के विषय पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि भारत सरकार के प्रशासनिक सांख्यिकी एवं नीति प्रभाग राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय दिल्ली ने सूचित किया है कि प्रशासनिक डेटा लिंकिंग के विषय पर राष्ट्रीय विचार-विमर्श हेतु शिखर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसमें राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। सम्मेलन में डेटा सामंजस्य की प्रगति एवं उससे जुड़े विषयों पर चर्चा होगी।

बैठक में आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव श्री भुवनेश यादव ने विभागों से अपेक्षा की है कि वे शीघ्र ही अपने विभाग की जानकारी उपलब्ध कराऐंगे जिससे डेटा समन्वय की प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाया जा सके। कायर्शाला में आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव ने बताया कि विभागों में डाटा के आदान प्रदान से डाटा सिस्टम को मजबूत व्यवस्थित होने के साथ नीति निर्माण में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि डाटा में एकरूपता होने से दोहराव नहीं होगा। जिससे नीतियों, योजनाओं और निणर्यो को सटिक डेटा विश्लेषण के आधार पर लागू किया जा सकेगा।

बैठक में विभागवार डेटा समेकन की संभावनायें, वतर्मान विभागों के पास उपलब्ध डेटा सहित सेवा वितरण, निगरानी एवं प्रशासनिक डेटा समेकन हेतु कायर्योजना के संबंध में अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया गया। बैठक में राज्य शासन के सभी विभागों के अधिकारी एवं वीडियो कॉन्फ्रेंस से भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधिकारी शामिल हुए।

सरगुजा ओलंपिक में कोरिया का शानदार प्रदर्शन, 10 स्वर्ण पदक पर कब्जा

26 पदक जीतकर खिलाड़ियों ने बढ़ाया जिले का मान, कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सरगुजा ओलंपिक 2026 में कोरिया जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता का शुभारंभ विगत दिनों मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी श्रीमती गीता फोगाट की उपस्थिति में हुआ था। कोरिया जिले के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 26 पदक अपने नाम किए, जिसमें 10 स्वर्ण, 9 रजत और 7 कांस्य पदक शामिल हैं। खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और टीम भावना का परिणाम रहा कि जिले ने कई प्रतिस्पर्धाओं में बढ़त हासिल की।

स्वर्ण पदकों में बैडमिंटन अंडर-17 (सिंगल्स व डबल्स बालिका), फुटबॉल सीनियर बालिका, वॉलीबॉल जूनियर बालिका, 200 मीटर व 400 मीटर दौड़, रिले रेस और शॉट पुट जैसी स्पर्धाएं शामिल रहीं। वहीं रजत पदक 100 मीटर दौड़, लंबी कूद, तीरंदाजी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल और फुटबॉल में प्राप्त हुए। कांस्य पदकों में 400 मीटर, तीरंदाजी, रिले रेस, कबड्डी, वॉलीबॉल और बैडमिंटन शामिल हैं। इस शानदार उपलब्धि से कोरिया जिले का नाम पूरे प्रतियोगिता में गौरवान्वित हुआ है। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि जिले के खिलाड़ियों में जुनून और जीवटता की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि हार से निराश होने के बजाय दोगुनी मेहनत के साथ लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

कोण्डागांव के युवा ने बस्तर हेरिटेज मैराथन में लहराया जीत का परचम

प्रतिभा और दृढ़ संकल्प जब एक साथ मिलते हैं, तो विपरीत परिस्थितियाँ भी सफलता का मार्ग प्रशस्त करने लगती हैं। इसका जीवंत उदाहरण कोण्डागांव के ग्राम चिलपुटी के एक साधारण से किसान परिवार के युवा धावक संजय कोर्राम ने पेश किया है, जिन्होंने रविवार को आयोजित 'बस्तर हेरिटेज मैराथन' में प्रथम स्थान प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कोण्डागांव-उमरकोट मार्ग से सटे माकड़ी रोड के पास स्थित एक छोटे से गांव से निकलकर मैराथन के ट्रैक तक पहुँचने का उनका यह सफर पिछले चार-पाँच वर्षों के कड़े अभ्यास और अटूट मेहनत का परिणाम है।

इस खिलाड़ी की सफलता इसलिए भी खास है क्योंकि उनकी यह दौड़ केवल पदकों के लिए नहीं, बल्कि जीवन की कठिन चुनौतियों के खिलाफ भी है। परिवार की जिम्मेदारी संभाल रहे इस युवा के सिर से पिता का साया उठ चुका है, जिसके बाद अब वे अपनी माता और भाइयों के साथ मिलकर घर की बागडोर संभाल रहे हैं। हालांकि उनका एक छोटा भाई फौज में भर्ती होकर देश की सेवा कर रहा है और दूसरा अभी शिक्षा ग्रहण कर रहा है, लेकिन घर की छह-सात एकड़ खेती और मक्के की फसल की देखभाल का जिम्मा इन्हीं के कंधों पर है।

स्थानीय स्तर पर तो संजय कोर्राम की धाक ऐसी है कि कोण्डागांव जिले की अधिकांश प्रतियोगिताओं में वे ही शीर्ष पुरस्कार जीतते आ रहे हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से बस्तर मैराथन की जानकारी पाकर शामिल हुए इस धावक की जीत ने आज उनके पूरे परिवार और गांव को गौरवान्वित कर दिया है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ताकत से कृषि शिक्षा और अनुसंधान में आएगा बड़ा बदलाव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कृषि महाविद्यालय रायपुर में 16 से 20 मार्च तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की विभिन्न प्रविधियों एवं उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर इन क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने के गुर सिखाया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 17 महाविद्यालयों के प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईआईटी भिलाई, आईआईआईटी नया रायपुर, एनआईटी रायपुर, आईआईएम रायपुर, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिर्वसिटी नया रायपुर, गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर, आईसीएआर - नार्म हैदराबाद तथा आईसीएआर - एनआईबीएसएम बरोण्डा जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को कृषि शिक्षा अनुसंधान में आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस की विभिन्न टेकनिक्स एवं टूल्स के प्रभावी उपयोग के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ इदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भिलाई के निदेशक डॉ. राजीव प्रकाश तथा आई.सी.ए.आर.- राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (एन.आई.बी.एस.एम.) बरोण्डा के निदेशक डॉ. पीके राय ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषि महाविद्यालय, रायपुर में कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंश का उपयोग पर आयोजित पॉच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन दिनांक 20 मार्च 2026 को डॉ. प्रशांत कविश्वर,

महानिदेशक, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर के मुख्य अतिथ्य तथा डॉ. ए. के. दवे, निदेशक शिक्षण एवं परीक्षा नियंत्रक, डॉ. अजय वर्मा, अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, रायपुर, डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, वैज्ञानिक, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर की गरिमामयी उपस्थिति तथा डॉ. आरती गुहे, अधिष्ठाता, कृषि संकाय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के 17 कृषि महाविद्यालयों के 85 सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं प्राध्यापकों ने सक्रिय सहभागिता की ।

डॉ. प्रशांत कविश्वर ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वतर्मान में कृषि अनुसंधान एवं शिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी है, इससे गुणवत्ता में वृद्धि तथा समय की बचत होती है किन्तु इस पर पूर्ण निर्भरता से विपरित परिणाम भी हो सकते है, कोविड 19 महामारी के बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग में तेजी से वृद्धि हुई है। डॉ. आरती गुहे, अधिष्ठाता एवं समन्वयक ने पॉच दिवसीय अभिमुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया।

डॉ. अजय वर्मा ने बताया की ए.आई. से सृजित जानकारी एवं आकडों का पुष्टीकरण करने के उपरान्त ही उनका उपयोग करे। ए.आई टूल्स, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान में आकडों के विश्लेषण, सारणीकरण, प्रस्तुतीकरण एवं प्रकाशन अत्यन्त उपयोगी है। डॉ. ए. के दवे ने ए.आई के क्षेत्र में कार्यरत देश के विभिन्न ख्यातिलब्ध संस्थाओं में कार्यरत विशेषज्ञों को एक स्थान में बुलाकर प्रभावी प्रशिक्षण एवं परिचर्चा आयोजन हेतु प्रशंसा की। डॉ. शुभा बनर्जी, सह. प्राध्यापक ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम सें प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सहायक प्राध्यापक डॉ. नीता मिश्रा, डॉ. अंजली पटेल तथा डॉ. ऋतुराज रधुवंशी में प्रशिक्षण के अनुभवों को साझा करते हुए बताया की व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से उनकी कार्यछमता एंव ए.आई. के विभिन्न्न घटकों के बारे में ज्ञान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई हैं। भविष्य में इस प्रकार के और प्रशिक्षण आयोजित करने का अनुरोध किया।

गौरतलब है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दो प्रमुख घटकों में आयोजित किया गया। पहला घटक नव नियुक्त संकाय सदस्यों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम जिसका उद्देश्य उन्हें विश्वविद्यालय की दृष्टि, मिशन और शैक्षणिक ढांचे से परिचित कराना एवं दूसरा घटक शिक्षण एवं अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर प्रशिक्षण है, जिसके माध्यम से प्रतिभागियों को आधुनिक ए आई टूल्स और तकनीकों से परिचित कराया गया ताकि वे इनका प्रभावी उपयोग कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, विस्तार गतिविधियों तथा अनुसंधान कार्यो में कर सकें। इन पाँच दिनों के दौरान विशेषज्ञ व्याख्यान, विचार-विमर्श तथा प्रायोगिक सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को आधारित शिक्षण एवं अनुसंधान की नवीनतम प्रवृत्तियों से अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल क्रियांन्वयन में डॉ. आर.पी. कुजूर, सह. प्राध्यापक, डॉ. रामा मोहन सावू, सह. प्राध्यापक, डॉ. अन्नु वर्मा, प्राध्यापक, तथा डॉ. लक्ष्मी नरसिंहा, सहायक प्राध्यापक की सराहनीय भूमिका रही। अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आर. पी. कुजूर, सह. प्राध्यापक, कृषि महाविद्यालय, रायपुर ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की संयोजक कृषि महाविद्यालय रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे हैं।

संपादकीय

गड़बड़ी रोकने बहुस्तरीय जांच की व्यवस्था बहुत जरूरी है

जिला प्रशासन मजबूत घोड़े की तरह होता है। उसे काबू में रखने के लिए लगाम कस के पकड़नी पड़ती है। उसे एहसास दिलाते रहना पड़ता है कि तुम होगे मजबूत लेकिन तुम्हारी लगाम मेरे हाथ मे हैं और तुमको वही करना है जो तुमसे कहा जाएगा। उसे बताना पड़ता है कि पूरे राज्य में कुछ भी गलत होता है तो उसे रोकना तुम्हारी जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन का प्रमुख कलेक्टर होता है इसलिए गाहे ब गाहे कलेक्टर को भी बताते रहना पड़ता है कि तुम्हारे जिले मे कुछ भी गलत होता है तो उसके लिए तुम जिम्मेदार होगे। कुछ भी गलत कहीं पर हुआ है तो उसके लिए तुम दोषी हो। जिले मे कहीं भी कुछ भी गलत होगा तो तुमको बताना होगा कि यह गलत काम कैसे हुआ। इसकी खबर तुमको कैसे नहीं लगी।

विपक्ष का काम तो हर गलत काम के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराना होता है। राज्य में दुर्ग के बाद बलरामपुर में अफीम खेती का खुलासा होने पर विपक्ष ने तो ऐसी हायतौबा मचाई कि जैसे अफीम की खेती सरकार करा रही है। एक जगह अफीम की खेती खबर लगी तो विपक्ष लगाने लगा आरोप की कि सरकार धान के कटोरे को अफीम का कटोरा बना रही है। यह सच है कि सरकार तो राज्य में भाजपा की है। उससे सवाल तो पूछा जाएगा कि यह गलत काम हुआ तो कैसे हुआ। सरकार से पूछने पर सरकार मामले की जांच कराती हो तो पता चलता है कि अफीम की खेती के मामले में चूक कहां पर हुई कि किसी को पता नहीं चला किसी खेत में अफीम की खेती की जा रही थी।

जांच में पता चला कि पटवारी, सर्वेयर व कृषि विस्तार अधिकारी की लापरवाही से दुर्ग जिले में खेती की अफीम की खेती का पता समय पर नहीं चला क्योंकि उन लोगों ने मौके पर गए बिना ही यह प्रूव कर दिया था कि वहां मक्के की फसल ली गई है। इस मामले में पहली कार्रवाई कृषि विस्तार अधिकारी को निलंबित करके की गई गई है। इसके बाद बलरामपुर जिले में अफीम की खेती का पता चलने पर वर्षों से एक ही स्थान पर जमे 58 पटवारियों का तबादला किया गया।इन पटवारियों में अफीम की खेती वाले कुसमी पटवारी भी शामिल हैं। एक दो नहीं कई जगह अफीम की खेती होने का पता चलना पर सरकार पर आरोप लगने तो सरकार को भी इस मामले को गंभीरता से लेना पड़ा। वैसे तो अधिकारियों को एक जगह अफीम की खेती पता चलने पर खुद ही अपने स्तर पर यह पता लगाने का प्रयास करना चाहिए था लेकिन राज्य में कलेक्टरों ने ऐसा नहीं किया।

दुर्ग व बलरामपुर जिले में अफीम की खेती उजागर होने पर सरकार अलर्ट हुई, सीएम साय ने कड़ा रुख अपनाय तो राजस्व विभाग ने प्रदेश भर के फार्म हाउसों व खेतों की ड्रोन से जांच शुरू की। सभी जिलों में खेतों में ली जाने वाली फसलों की जानकारी जुटाई जा रही है। सीएम साय ने यह काम भी अच्छा किया कि प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टरों से अफीम की खेती की रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कलेक्टरों से कहा है कि वह अपने जिले में अफीम की खेती का पता लगाने के लिए सर्वे कराएं साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि किसी जिले में अफीम की खेती न हो। उन्होंने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टरों को भी इस काम के लिए समय दिया गया है। यानी सीएम ने कलेक्टरों को यह काम करने को कहा है तब जाकर वह यह काम कर रहे हैं। कलेक्टरों को भी कभी-कभी जब बताया जाता है तब जाकर वह समझते हैं कि यह उनका काम है।

सीएम के कहने के बाद ही कलेक्टरों को यह बात समझ में आई कि अफीम की खेती नहीं होने देना है अगर कहीं होती है तो इसके लिए उनको भी जवाब देना पड़ेगा तब जाकर कलेक्टर अब ऐसा प्रयास कर रहे हैं कि उनके जिले में कम से कम अफीम की खेती न हो। इसके लिए उन्होंने अब पंचायतों में सरपंचो को टाइट कर दिया है कि अब यह तुम्हारी जिम्मेदारी है कि अपने क्षेत्र में अफीम की खेती न होने दो। कलेक्टर ने सरपंचों से कहा है कि तुमको अपने क्षेत्र की जांच पर प्रमाणपत्र देना है कि उनके क्षेत्र में अफीम की खेती नहीं हो रहीहै। पंचायत प्रतिनिधियों के साथ वनविभाग की बीट गार्ड, पटवारी अपनेअपने क्षेत्र में जांच कर पुष्टि कर रहे हैं। इनको जनपद सीईओ को रिपोर्ट सौंपनी है। अब सरकार को समझ आ रहा है कि अफीम की खेती को रोकना है तो बहुस्तरीय जांच की व्यवस्था करनी होगी और ऐसी व्यवस्था की गई है। हर क्षेत्र मे गड़बड़ी को रोकना है तो बहुस्तरीय जांच व्यवस्था होनी चाहिए तब ही जाकर कई तरह की लापरवाही व भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी।

प्रकृति, आस्था और रोमांच का जीवंत अनुभव, भूतेश्वरनाथ से जतमई-घटारानी तक हर कदम पर अद्भुत एहसास

नई दृष्टिबिंदु / गरियाबंद

छत्तीसगढ़ का गरियाबंद जिला केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि प्रकृति, आध्यात्मिकता और रोमांच का जीवंत अनुभव है। यहां की हरियाली, झरनों की गूंज, मंदिरों की आस्था और जंगलों की शांति पर्यटकों को एक अलग ही दुनिया में ले जाती है। जिले के ग्राम मरोदा के पास स्थित भूतेश्वरनाथ महादेव मंदिर एक प्राकृतिक शिवलिंग है, जिसके बारे में मान्यता है कि यह शिवलिंग हर वर्ष स्वतः बढ़ता जाता है। सावन और महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां हजारों श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। घने जंगलों के बीच स्थित यह स्थल अद्भुत आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है और यहां पहुंचते ही मन स्वतः ही शांत हो जाता है।

गरियाबंद का जतमई और घटारानी क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य का अनमोल खजाना है। रायपुर से लगभग 80-90 किलोमीटर दूर स्थित यह क्षेत्र विशेषकर वर्षा ऋतु में अपनी पूरी भव्यता के साथ नजर आता है। बारिश के समय यहां के झरने ऊंची चट्टानों से पूरी शक्ति के साथ गिरते हैं, जिससे चारों ओर पानी की फुहार और हल्की धुंध-सा वातावरण बन जाता है। घनी हरियाली से आच्छादित यह क्षेत्र ऐसा प्रतीत होता है मानो प्रकृति ने स्वयं इसे सजाया हो। ठंडी हवाएं और झरनों की निरंतर गूंज मन को गहरे सुकून का एहसास कराती है।

जतमई या घटारानी पहुंचते ही झरनों की तेज आवाज सुनाई देती है, जो पर्यटकों का स्वागत करती है। ऊंचाई से गिरता पानी, चट्टानों पर बहती धाराएं और आसपास खड़े विशाल वृक्ष एक जीवंत दृश्य प्रस्तुत करते हैं। लोग यहां चट्टानों पर बैठकर इस प्राकृतिक सौंदर्य को निहारते हैं, वहीं कई पर्यटक झरनों के पास जाकर ठंडे पानी की फुहार का आनंद लेते हैं। घटारानी मंदिर के समीप बहता झरना विशेष आकर्षण का केंद्र है, जहां पानी कई स्तरों में गिरता हुआ अद्भुत दृश्य बनाता है, जबकि जतमई माता मंदिर के आसपास धार्मिक आस्था और प्राकृतिक सुंदरता का अनूठा संगम देखने को मिलता है।

प्राकृतिक और वन्यजीव प्रेमियों के लिए उदंती-सीतानदी अभयारण्य एक अनूठा आकर्षण है। जैव विविधता से भरपूर यह अभयारण्य दुर्लभ वन्य जीवों, विशेषकर जंगली भैंसों के संरक्षण के लिए जाना जाता है। यहां का शांत और प्राकृतिक वातावरण पर्यटकों को एक अलग ही अनुभव प्रदान करता है।

गरियाबंद की यात्रा केवल एक सैर नहीं, बल्कि एक संपूर्ण अनुभव बन जाती है। जैसे-जैसे पर्यटक शहर की भीड़-भाड़ से दूर इन हरे-भरे जंगलों की ओर बढ़ते हैं, वैसे-वैसे उन्हें शांति और सुकून का एहसास होने लगता है। यहां पहुंचने पर ठंडी हवाएं, झरनों की ध्वनि और प्राकृतिक वातावरण व्यक्ति को पूरी तरह तरोताजा कर देते हैं। परिवार, मित्रों या अकेले यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए यह स्थान खास अनुभव प्रदान करता है, जहां पिकनिक, फोटोग्राफी, ट्रैकिंग और धार्मिक दर्शन का आनंद एक साथ लिया जा सकता है।

गरियाबंद तक पहुंचना भी बेहद आसान है। रायपुर से लगभग 90 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस जिले तक सड़क मार्ग से 2 से 3 घंटे में पहुंचा जा सकता है। अभनपुर और राजिम होते हुए जाने वाला मार्ग हरियाली और प्राकृतिक दृश्यों से भरपूर है, जो यात्रा को और भी सुखद बना देता है। बस, टैक्सी और निजी वाहन सभी माध्यमों से यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

गरियाबंद जिला प्रकृति के सौंदर्य, आस्था की गहराई और रोमांच के अद्भुत मेल का प्रतीक है। भूतेश्वरनाथ की दिव्यता, जतमई-घटारानी के झरनों की जीवंतता और पूरे क्षेत्र की हरियाली इसे छत्तीसगढ़ का एक ऐसा पर्यटन गंतव्य बनाती है, जहां हर यात्रा यादगार बन जाती है।

संघर्ष से सुकून तक : नल-जल योजना से बदली राधाबाई की जिंदगी

नई दृष्टिबिंदु / कोण्डागांव

भारत सरकार की फ्लैगशिप जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले कोंडागांव जिले के ग्राम साल्हेभाट में प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराए जाने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। इस योजना ने विशेष रूप से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

ग्राम साल्हेभाट निवासी श्रीमती राधाबाई उसेंडी के लिए पहले पानी की व्यवस्था करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। उन्हें प्रतिदिन लगभग 250 मीटर दूर स्थित जल स्रोत से पानी लाना पड़ता था। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, चिलचिलाती धूप एवं शारीरिक श्रम के बीच पानी लाना उनके दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा था, जिससे समय एवं ऊर्जा दोनों का अत्यधिक व्यय होता था।

राधाबाई का परिवार मुख्यतः कृषि एवं सब्जी उत्पादन पर निर्भर है। पानी की कमी के कारण उनकी आजीविका पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। सीमित जल उपलब्धता उनके कृषि कार्यों एवं परिवार के बेहतर जीवन के सपनों में बाधा बन रही थी। जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल-जल योजना के क्रियान्वयन से गांव में पाइपलाइन बिछाई गई तथा राधाबाई के घर तक नल कनेक्शन प्रदान किया गया। घर के आंगन में नल से नियमित एवं स्वच्छ जल की उपलब्धता ने उनके जीवन को सहज एवं सुलभ बना दिया है।

अब राधाबाई को पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। इससे उनके समय की बचत हो रही है, स्वास्थ्य में सुधार हुआ है तथा वे अपने कृषि कार्यों पर अधिक ध्यान दे पा रही हैं। उनके खेत-खलिहान अब पहले से अधिक हरे-भरे हो गए हैं और परिवार की आय में भी वृद्धि हो रही है। राधाबाई बताती हैं कि पहले पानी लाना सबसे बड़ी समस्या थी, अब घर में ही पानी मिलने से जीवन आसान हो गया है और हम अपने काम बेहतर तरीके से कर पा रहे हैं।

जल जीवन मिशन केवल पेयजल उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में सुधार, महिलाओं के सशक्तिकरण एवं सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है।

पीएम जनमन आवास से जीवन में आई नई रोशनी

राज्य के दूरस्थ अंचलों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों के लिए प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना किसी संजीवनी से कम नहीं है। कोरिया जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर के बचरा-पोड़ी क्षेत्र की ग्राम पंचायत गढ़तर में रहने वाली सुकबरिया के जीवन में इस योजना ने बड़ा बदलाव लाया है। कच्चे और जर्जर मकान में डर-डरकर जीवन बिताने वाला यह परिवार अब पक्के घर की सुरक्षित छत के नीचे सुकून की नींद ले रहा है।

सुकबरिया अपने पति सुखलाल और तीन बच्चों के साथ एक साधारण किसान परिवार से संबंध रखती हैं। परिवार की आय मुख्य रूप से दूसरों के खेतों में मजदूरी और सीमित कृषि पर निर्भर थी। मौसम पर आधारित आय और मनरेगा के सीमित कार्यों के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए असंभव जैसा था। करीब 40 डिस्मिल जमीन पर बने कच्चे घर में यह परिवार वर्षों तक रहा। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकना, दीवारों का कमजोर होना और घर में पानी भर जाना जैसी समस्याएं हर साल उनकी चिंता बढ़ा देती थीं। ऐसे में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना उनके लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आई।

योजना के तहत आवास निर्माण के लिए 2 लाख रुपये की सहायता मिली। साथ ही मनरेगा के अंतर्गत 90 दिनों की मजदूरी का लाभ लेकर परिवार ने स्वयं श्रमदान कर अपना पक्का घर तैयार किया। अब यह परिवार सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर जीवन जी रहा है। सुकबरिया बताती हैं कि अब दिनभर मेहनत के बाद रात को चैन से सो पाना संभव हुआ है। उनका कहना है कि पक्का मकान कभी सपना था, जो अब हकीकत बन चुका है।

राजनांदगांव की पोट्ठ लईका पहल से बच्ची परिधी हुई पूरी तरह स्वस्थ, सामान्य श्रेणी में पहुंची

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिला प्रशासन द्वारा संचालित पोट्ठ लईका पहल गंभीर कुपोषित बच्चों को सुपोषण की श्रेणी में लाने की दिशा में प्रभावी रूप से कार्य कर रही है। इस अभियान के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्रत्येक गुरूवार को आयोजित होने वाली पालक चौपाल के माध्यम से माताओं को बच्चों के पोषण, देखभाल और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी जा रही है।

अंजोरा सेक्टर के आंगनबाड़ी केन्द्र कोपेडीह क्रमांक 1 में दर्ज श्रीमती ज्योति साहू का प्रसव स्वास्थ्य केन्द्र में सामान्य रूप से हुआ। जन्म के समय उनकी बच्ची का वजन मात्र 1.950 किलोग्राम तथा लंबाई 46 सेमी था, जो अति गंभीर कुपोषण की स्थिति को दर्शाता था। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती हेमिन साहू ने तत्परता दिखाते हुए कंगारू मदर केयर, नियमित स्तनपान, स्वच्छ एवं गर्म वातावरण में देखभाल तथा सीमित संपर्क जैसे आवश्यक उपायों की जानकारी दी। साथ ही माता को पौष्टिक आहार लेने के लिए प्रेरित किया गया। पालक चौपाल के माध्यम से प्राप्त सलाह को परिवार ने गंभीरता से अपनाया तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा नियमित गृह भेंट कर सतत निगरानी भी सुनिश्चित की गई। इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम शीघ्र ही दिखाई देने लगा।

श्रीमती ज्योति साहू ने बताया कि उन्होंने बच्ची को कंगारू मदर केयर 7 से 8 घंटे प्रतिदिन रखा और नियमित स्तनपान कराने से तीसरे दिन ही बच्ची का वजन बढ़कर 2 किलोग्राम हो गया। पांचवें दिन यह 2.160 किलोग्राम और सातवें दिन 2.290 किलोग्राम पहुंच गया। 14 दिनों में बच्ची का वजन 2.500 किलोग्राम हो गया। जनवरी 2026 में मात्र एक माह के भीतर बच्ची का वजन 3.130 किलोग्राम हो गया और वह मध्यम श्रेणी में आ गई। निरंतर देखभाल और पोषण के परिणामस्वरूप फरवरी 2026 के अंत तक बच्ची का वजन 4.700 किलोग्राम एवं लंबाई 54 सेमी हो गई। मार्च 2026 में बच्ची परिधी का वजन 5.010 किलोग्राम और लंबाई 58 सेमी दर्ज की गई। पोट्ठ लईका पहल के तहत पालक चौपाल से सही मार्गदर्शन, सलाह एवं समय पर देखभाल बच्ची परिधी साहू पूरी तरह से स्वस्थ एवं सामान्य श्रेणी में आ चुकी है।

मत्स्य पालन विभाग द्वारा दिए गए तकनीकी ज्ञान, प्रशिक्षण और योजनाओं से मिली सफलता

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

महासमुंद जिले अन्तर्गत जय माँ दुर्गा मत्स्य सहकारी समिति मर्यादित, किशनपुर को मत्स्य पालन विभाग द्वारा प्रदान किए गए तकनीकी ज्ञान, प्रशिक्षण और विभिन्न योजनाओं के तहत मिली सहायता ने उनके कार्य को नई दिशा दी है। इस सहायता से आज समिति द्वारा तीन गुणा अधिक आय अर्जित किया जा रहा हैं। इस समिति में कुल 24 सदस्य हैं, जिनमें 11 महिलाएं और 13 पुरुष शामिल हैं। विगत 20 वर्षों से यह समिति मत्स्य पालन के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है तथा इसके पास 31.59 हेक्टेयर जलाशय और 3.50 हेक्टेयर तालाब का जलक्षेत्र उपलब्ध है, जिसका सुनियोजित उपयोग कर समिति ने प्रगति हासिल की है।

समिति सदस्य बताते है कि उनका जीवन पहले काफी संघर्षपूर्ण था, जहां उनकी आजीविका मुख्य रूप से खेती और मजदूरी पर निर्भर थी। सीमित संसाधनों के कारण उनकी वार्षिक आय लगभग 36 हजार रुपये ही थी, जिससे परिवारों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता था। लेकिन समय के साथ मत्स्य पालन विभाग के मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और योजनाओं से जुड़कर समिति ने मत्स्य पालन को अपनाया और धीरे-धीरे अपनी स्थिति में सुधार लाना शुरू किया। मत्स्य पालन विभाग द्वारा प्रदान किए गए तकनीकी ज्ञान, प्रशिक्षण और विभिन्न योजनाओं उनके कार्य को नई दिशा दी। जाल, आइस बॉक्स, मत्स्य बीज, सीफेक्स, झींगा बीज तथा मोटरसाइकिल अनुदान जैसी सुविधाओं ने उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में भूमिका निभाई। विभागीय अधिकारियों के निरंतर प्रोत्साहन और सफल मत्स्य पालकों से मिली प्रेरणा ने समिति के सदस्यों का मनोबल मजबूत किया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

समिति ने पारंपरिक पद्धतियों को छोड़कर आधुनिक तकनीकों को अपनाया, जिसमें मिश्रित मत्स्य पालन, उन्नत बीजों का उपयोग, परिपूरक आहार और वैज्ञानिक तरीके शामिल हैं। इन नवाचारों के परिणामस्वरूप उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जहां पहले लगभग 7 क्विंटल उत्पादन होता था, वहीं अब यह बढ़कर 21 क्विंटल तक पहुंच गया है। इसके साथ ही झींगा पालन को अपनाने से अतिरिक्त आय के नए स्रोत भी विकसित हुए, जिससे कुल आय में तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई और वार्षिक आय लगभग 3 लाख 40 हजार रुपये तक पहुंच गई।

मत्स्य पालन से जुड़े रहने के कारण समिति के सदस्यों के जीवन स्तर में अधिक बदलाव आया है। पहले जहां आर्थिक तंगी के कारण दैनिक जीवन प्रभावित होता था, वहीं अब परिवारों की स्थिति सुदृढ़ हुई है। कच्चे मकानों को पक्के मकानों में परिवर्तित किया गया, सदस्यों ने मोटरसाइकिल जैसी सुविधाएं प्राप्त कीं और नियमित बचत की दिशा में कदम बढ़ाते हुए समिति के नाम से बैंक खाते में राशि जमा करना शुरू किया गया। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी समिति को मजबूती प्रदान की है, जिससे महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिला है।

स्व-सहायता समूह से बदली नील की किस्मत, बनीं लखपति दीदी

नई दृष्टिबिंदु / मुंगेली

कभी सीमित आय में जीवन यापन करने वाली नील दिवाकर अब लखपति दीदी के रूप में अपनी पहचान बना रही हैं। मुंगेली जिले के विकासखण्ड लोरमी अंतर्गत ग्राम डेरहाकापा की निवासी श्रीमती नील दिवाकर आज स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुकी हैं। समूह से जुड़ने से पहले नील दिवाकर की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर थी। उनके परिवार की आय का मुख्य साधन एक छोटे से डबरी में किया जाने वाला मछली पालन था, जिससे बहुत ही कम आय प्राप्त होती थी और परिवार की आवश्यकताएं भी पूरी नहीं हो पाती थीं।

लखपति दीदी श्रीमती नील दिवाकर ने बताया कि उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत गुरु बालक दास महिला स्व-सहायता समूह से जुड़कर समूह की गतिविधियों में भाग लेना शुरू किया। समूह के माध्यम से उन्हें रिवॉल्विंग फंड, कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड, बैंक लिंकेज एवं सीएलएफ से ऋण राशि प्राप्त हुई। प्राप्त ऋण का सदुपयोग करते हुए नील दिवाकर ने 01 एकड़ डबरी में व्यवस्थित रूप से मछली पालन का कार्य प्रारंभ किया। बड़े पैमाने पर उत्पादन होने से उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। जहां पहले उनकी मासिक आय लगभग 15 हजार रुपये थी, वहीं अब बढ़कर लगभग 50 हजार रुपये तक पहुंच गई है। उनकी वार्षिक आय भी अब करीब 06 लाख रुपये हो गई है।

आर्थिक सशक्तिकरण के साथ उनके जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं। परिवार का जीवन स्तर बेहतर हुआ है, बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हुआ है और वे आत्मनिर्भर बनकर समाज में एक नई पहचान स्थापित कर चुकी हैं। नील दिवाकर अब अपने व्यवसाय का विस्तार करते हुए 02 एकड़ डबरी में मछली पालन कर रही हैं, जिसमें उन्होंने लगभग 30 हजार मछली बीज का उपयोग किया है। वे न केवल स्वयं सशक्त हो रही हैं, बल्कि अपने गांव की अन्य महिलाओं को भी स्व-सहायता समूह से जुड़कर आजीविका अपनाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

खास खबर

पांडुलिपियों में निहित ज्ञान परंपरा को बचाने का राष्ट्रीय अभियान छग में भी शुरू

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा देशभर में ज्ञान भारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण संचालित किया जा रहा है। इस महत्त्वपूर्ण पहल का उद्देश्य देशभर में बिखरी अमूल्य पांडुलिपियों की पहचान, दस्तावेजीकरण और संरक्षण सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में छत्तीसगढ में भी इस सर्वेक्षण को प्रभावी रूप से लागू करने की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है, जिसमें जन-जागरूकता पर विशेष बल दिया जा रहा है।

यह सर्वेक्षण उन पांडुलिपियों को खोजने और सूचीबद्ध करने का प्रयास है, जो वतर्मान में परिवारों, मंदिरों, मठों, संस्थानों या निजी संग्रहों में सुरक्षित है, लेकिन अभी तक औपचारिक रूप से सर्वेक्षित नहीं हो पाई हैं। यह पहल इन छिपी हुई ज्ञान-संपदाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सर्वेक्षण के पश्चात सरकार इनका डिजिटाइजेशन और संरक्षण करेगी। पांडुलिपियों का स्वामित्व उनको धारण करने वाले व्यक्ति, परिवार और संस्था का ही रहेगा। ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान में समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इसमें पांडुलिपि धारण करने वाले परिवार, संस्था, विद्वान एवं शोधकर्ता मंदिर एवं धार्मिक संस्थान, पुस्तकालय एवं शैक्षणिक संस्थाएं, जागरूक नागरिक के अतिरिक्त, सरकार द्वारा अधिकृत सर्वेक्षक भी इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। ऐसे नागरिक जिन्हें अपने आसपास पांडुलिपियों की जानकारी है, वे भी इस सर्वेक्षण से जुड़कर महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

इस राष्ट्रीय अभियान से जुड़ने के लिए डिजिटल माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं। कोई भी व्यक्ति या संस्था अपने पास उपलब्ध पांडुलिपियों को ज्ञानभारतम डॉट कॉम पोर्टल और ह्यज्ञानभारतमह्ल मोबाइल एप के माध्यम से आवश्यक जानकारी दर्ज कर इस राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण अभियान का हिस्सा बन सकते हैं। भारत की पांडुलिपियां केवल ऐतिहासिक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की समृद्ध सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और दार्शनिक विरासत, ज्ञान परंपरा की जीवंत धरोहर हैं। इनमें आयुर्वेद, साहित्य, गणित, खगोलशास्त्र और जीवन दर्शन का अमूल्य ज्ञान संचित है। ऐसे में इनका संरक्षण भविष्य की पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

राज्य के नागरिकों से अपील की गई है कि यदि उनके पास ऐसी पांडुलिपियां हैं जो अब तक सर्वेक्षित नहीं हैं, या उन्हें किसी स्थान, परिवार या संस्था में पांडुलिपियों की जानकारी है, तो वे इस सर्वेक्षण से अवश्य जुडें। यह राष्ट्रीय अभियान हमारी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने का एक ऐतिहासिक अवसर है, जिसमें हर नागरिक की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ज्ञान की इस विरासत को संजोना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है, आइए मिलकर इसे सुरक्षित करें।

कुदरगढ़ महोत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ-भक्ति लोक संस्कृति और उल्लास से गूंजा कुदरगढ़ धाम

चैत्र नवरात्र के शुक्ल पंचमी की दिव्य बेला में आस्था, संस्कृति और उत्साह का अद्भुत संगम

नरेन्द्र डाकलिया / राजनांदगांव

चैत्र नवरात्र के शुक्ल पंचमी की दिव्य बेला में आस्था, संस्कृति और उत्साह का अद्भुत संगम कुदरगढ़ धाम में देखने को मिला, जब जिला प्रशासन व मां कुदरगढ़ी न्याय ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान से कुदरगढ़ महोत्सव 2026 का भव्य एवं गरिमामय शुभारंभ हुआ। 23 से 25 मार्च तक आयोजित इस त्रि-दिवसीय महोत्सव ने पहले ही दिन श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक वैभव से पूरे क्षेत्र को सराबोर कर दिया।

शुभारंभ अवसर पर लोक न्याय ट्रस्ट के अध्यक्ष राम सेवक पैंकरा ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए महोत्सव के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कुदरगढ़ महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि यह इस क्षेत्र की लोक परंपराओं, जनआस्था और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने का एक सार्थक प्रयास है। श्री पैंकरा ने माँ कुदरगढ़ी की कृपा से इस महोत्सव को प्रतिवर्ष और भव्य रूप देने का संकल्प व्यक्त करते हुए सभी श्रद्धालुओं एवं दशर्कों का हार्दिक स्वागत किया।

महोत्सव के प्रथम दिवस पर जिले के पाँच करमा दलों ने पारंपरिक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से वातावरण को जीवंत कर दिया। सुप्रसिद्ध कलाकार आनंदिता तिवारी ने कथक नृत्य के माध्यम से माँ कुदरगढ़ी की भावपूर्ण स्तुति प्रस्तुत कर दशर्कों को भावविभोर कर दिया। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने भी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

भक्ति रस की प्रस्तुतियों में निलेश मित्तल के भजनों और स्तुति जायसवाल के धार्मिक गीतों ने श्रद्धालुओं को भक्ति में डुबो दिया। पंडित लछ्छू राजा एवं उनके साथियों द्वारा सरगुजिहा लोकगीतों की सुमधुर प्रस्तुति ने लोक संस्कृति की मिठास बिखेर दी। महोत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में मुंबई के सुप्रसिद्ध लीला रॉक बैंड की भक्तिमय प्रस्तुति ने आधुनिकता और परंपरा का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। रात्रि भक्ति एवं सांस्कृतिक संध्या ने वातावरण को और भी अलौकिक बना दिया तथा दर्शक देर रात तक कार्यक्रमों में रमे रहे।

जिला प्रशासन का उद्देश्य इस आयोजन के माध्यम से क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को राज्य स्तर पर स्थापित करना और स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित करना है। लोक न्याय ट्रस्ट की सहभागिता ने इस आयोजन को केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बना दिया है।

महोत्सव के दूसरे दिन 24 मार्च को सांस्कृतिक रंग और गहरे होने वाले हैं। छात्र-छात्राओं द्वारा करमा नृत्य एवं विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ नेहा तिवारी के लोक जस गीत, बसंत वैष्णव की प्रस्तुति, कला केंद्र सूरजपुर के कलाकारों द्वारा नृत्य एवं गायन, बीजीएम ग्रुप की बैंड प्रस्तुति, लक्ष्मीकांत जडेजा, आसमी शर्मा के सांस्कृतिक गीत, कमलेश शर्मा, नासिर खान एवं संजय सुरीला की मनमोहक प्रस्तुतियाँ महोत्सव को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगी।

स्थानीय और क्षेत्रीय कलाकारों की सहभागिता, लोक संस्कृति की सजीव झलक और भक्ति की अनुगूंज ने कुदरगढ़ महोत्सव को एक विशिष्ट पहचान और गरिमा दी है। नवरात्रि के इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की उमड़ती भीड़ इस आयोजन की लोकप्रियता और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करती है। माँ कुदरगढ़ी के चरणों में यह तीन दिवसीय महोत्सव जिले की सामूहिक आस्था, संस्कृति और जन-चेतना का जीवंत उत्सव बन गया है।

प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में कारागार का निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सालसा के निर्देशानुसार गठित बोर्ड ऑफ विजिटर्स तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित एम्पावर्ड समितिद्वारा कबीरधाम में कारागार निरीक्षण 23 मार्च को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती सत्यभामा अजय दुबे, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अमन तिग्गा, अतिरिक्त कलेक्टर नरेन्द्र पैकरा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह बघेल, लोक निर्माण विभाग से एलआर छतरे एवं जेल मैनुअल 2016 के तहत गठित समिति के अन्य सदस्यगणों के साथ किया गया।

इस दौरान जेल के बैरकों, जाति आधारित भेदभावपूर्ण प्रथायें, स्नानागार, जेल परिसर में स्वच्छता एवं बंदियों के भोजन एवं स्वास्थ्य सुरक्षा पर अवलोकन कर निरीक्षण किया गया। उन्होंने जेल परिसर का निरीक्षण करते हुए बैरकों की क्षमता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधा, स्वच्छता एवं बैरकों में रखे जाने वाले बंदियों की संख्या, रसोई कक्ष की स्वच्छता, पीने के पानी तथा भोजन की गुणवत्ता, बंदियों के लिए खेल एवं व्यायाम के साधन व प्रशिक्षण की जानकारी, जेल परिसर के बागवानी की स्वच्छता के संबंध में भ्रमण कर जानकारी ली गई। तत्संबंध में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा सहायक जेल अधीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

हर घर जल के लक्ष्य की दिशा में एक सशक्त उदाहरण बनकर उभरा ग्राम बस्तला

नई दृष्टिबिंदु / जशपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से निरंतर प्रयासों किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में ग्राम बस्तला एक प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में उभरा है। यह गांव दुलदुला विकासखण्ड में स्थित है और घने जंगलों एवं पहाड़ियों से घिरा हुआ है। झारखंड सीमा के समीप स्थित यह ग्राम भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत दुर्गम रहा है, जिसके कारण यहां मूलभूत सुविधाओं का विकास लंबे समय तक चुनौतीपूर्ण बना रहा।

योजना के क्रियान्वयन से पूर्व ग्राम बस्तला के निवासियों की पेयजल के लिए हैंडपंप, कुओं एवं प्राकृतिक स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। विशेषकर महिलाओं एवं बालिकाओं को प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर पानी लाना पड़ता था, जिसमें उनका काफी समय और श्रम व्यय होता था। कई बार उन्हें दिन में कई चक्कर लगाने पड़ते थे. जिससे अन्य घरेलू एवं आर्थिक कार्य प्रभावित होते थे। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी। जल स्त्रोतों का पानी मटमैला एवं दूषित हो जाता था, जिससे पीने योग्य पानी प्राप्त करना कठिन हो जाता था।

स्वच्छता के किसी निर्धारित मानक के अभाव में ग्रामीणों को असुरक्षित जल का उपयोग कर पड़ता था, जिसके कारण जलजनित बीमारियां जैसे दस्त उल्टी एवं अन्य संक्रमण आम बात थे। इससे न केवल लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होता था, बल्कि आर्थिक रुप्प से भी अतिरिक्त बोझ पड़ता था। इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम बस्तला में एक उच्च स्तरीय जलागार का निर्माण किया गया, जिसकी क्षमता 10 किलोलीटर है।

इसके साथ ही पूरे गांव में पाइपलाइन नेटवर्क बिछाकर घर-घर तक नल कनेक्शन प्रदान किए गए। वतर्मान में ग्राम के 39 परिवारों को फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन के माध्यम से नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

योजना के सफल संचालन के लिए ग्राम स्तर पर जल एवं स्वच्छता समिति का गठन किया गया है, जो योजना के रखरखाव एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी निभा रही है। स्थानीय स्तर पर पंप ऑपरेटरों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है. जिससे जल आपूर्ति प्रणाली का संचालन नियमित एवं सुचारु रूप से हो रहा है। सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से पोजना के प्रति ग्रामवासियों में स्वामित्व की भावना विकसित हुई है. जो इसकी दीघर्कालिक स्थिरता सुनिश्चित करती है।

वर्तमान में ग्राम बस्तला की स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। अब प्रत्येक घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ एवं सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो गई है। महिलाओं को अब पानी लाने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता. जिससे उनके समय और श्रम की बचत हुई है। यह समय अब वे अपने परिवार बच्चों की शिक्षा एवं अन्य आयवर्धक गतिविधियों में लगा रही है. जिससे उनका सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण हुआ है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण जलजनित बीमारियों में कमी आई है और ग्रामीणों का स्वास्थ्य स्तर बेहतर हुआ है। पहले जहां बीमार पड़ना सामान्य बात थी. वहीं अब लोग अधिक स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन जी रहे हैं। इस योजना का सकारात्मक प्रभाव बच्चों पर भी पड़ा है। अब उन्हें पानी लाने में समय व्यतीत नहीं करना पड़ता, जिससे उनकी विद्यालय में उपस्थिति बढ़ी है और शिक्षा के प्रति उनका रुझान भी बेहतर हुआ है। ग्राम के सभी निवासी इस परिवर्तन से अत्यंत प्रसन्न हैं ओर योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए शासन एवं संबंधित विभाग के प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन ने उनके जीवन को सरल, सुरक्षित और सम्मानजनक बना दिया है।

किसानों को अग्रिम उर्वरक उठाव के लिए करें प्रोत्साहित-कलेक्टर प्रजापति

अमाटोला और गोटाटोला में दलहन उपार्जन केंद्र, किसानों को मिलेगा लाभ

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग की संयुक्त बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रीमती भारती चंद्राकर सहित विभागीय अधिकारी एवं कमर्चारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए क्षेत्राच्छादन की जानकारी ली। विभागीय अधिकारियों ने विकासखंडवार जानकारी देते हुए बताया कि मक्का एवं कुल्थी फसल में बेहतर प्रगति हुई है। कलेक्टर ने आगामी वर्ष हेतु प्रदर्शन लक्ष्य में वृद्धि करने के निर्देश दिए। विभागीय अधिकारी ने बताया कि अमाटोला एवं गोटाटोला में दलहन उपार्जन केन्द्र की स्थापना की गई है। यहां समर्थन मूल्य पर दलहन की खरीदी की जाएगी। कलेक्टर ने ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर दलहन एवं सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। बीज एवं उर्वरक भंडारण की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि पर्याप्त भंडारण किया गया है। इस पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि भंडारण के साथ-साथ किसानों को अग्रिम उर्वरक उठाव के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की समीक्षा के दौरान उन्होंने ई-केवाईसी, आधार सीडिंग, लैंड सीडिंग एवं सेल्फ रजिस्ट्रेशन की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही संदिग्ध खातों के सत्यापन हेतु किसान चौपाल के माध्यम से अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाए राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा मिशन एवं मिशन समृद्धि योजना की भी विस्तृत समीक्षा की। सौर सुजला योजना अंतर्गत पंप प्रतिस्थापन की प्रगति पर कलेक्टर ने गत वर्ष भेजे गए आवेदनों के फॉलोअप की जानकारी लेने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक किसानों को योजना का लाभ मिल सके। परंपरागत कृषि विकास योजना के अंतर्गत क्लस्टर चयन कर विस्तृत काययीजना तैयार करने के निर्देश दिए गए, जिससे जैविक खेती को बढ़ावा मिल सके।

पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने पशु उपचार, औषधि वितरण एवं टीकाकरण की प्रगति की जानकारी ली और इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने संचार सुविधा वाले ग्रामों की सूची तैयार कर लक्षित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि टीकाकरण लक्ष्य समय पर पूर्ण हो सके। इस दौरान एंटी रैबीज टीकाकरण, निःशुल्क सांड वितरण, नर बकरा वितरण, शुक्ररत्रयी योजना, बैकयार्ड कुक्कुट पालन एवं उन्नत मादा वत्स पालन योजनाओं की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने जिले में पशुपालन की संभावनाओं को देखते हुए कृत्रिम गर्भाधान में बेहतर प्रगति लाने के निर्देश दिए।

उद्यानिकी विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने राज्य पोषित योजनाओं की प्रगति, उद्यानिकी विस्तार, मसाला क्षेत्र विस्तार एवं कृषक प्रशिक्षण की जानकारी ली। उन्होंने फसल परिवर्तन के तहत सब्जी, फूल एवं मसाला क्षेत्र में विस्तार करने के निर्देश दिए। साथ ही नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए काययीजना बनाने को कहा। मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत मत्स्य बीज संवर्धन, निजी भूमि में तालाब निर्माण, मोटरसाइकिल सह आइस बॉक्स, लाइव फिश वेंडिंग एवं केज स्थापना की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने जिले के बड़े हाट-बाजारों में ताजा मछली विक्रय हेतु रिटेल आउटलेट स्थापित करने के लिए काययीजना बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने सभी विभागों को कार्य कैलेंडर तैयार कर अधिकारियों को लक्ष्य आवंटित करने तथा समय-सीमा में कार्य पूर्ण कर लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति आवेदन और संस्थाओं के प्रस्ताव वर्ष 2025-26 के लिए तिथि में वृद्धि

कवर्धा। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत महाविद्यालय में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्रता रखने वाले विद्याथिर्यों के छात्रवृत्ति पंजीयन, वितरण की कार्यवाही ऑनलाइन माध्यम से प्रारंभ किया गया है। विद्याथिर्यों के आवेदनों एवं संस्थाओं के प्रस्ताव वर्ष 2025-26 के लिए तिथि में वृद्धि की गई है। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि विद्यार्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने के लिए समय सीमा 23 मार्च से 27 मार्च तक निर्धारित की गई है। इसी तरह प्रपोजल लॉक करने के लिए 23 मार्च से 29 मार्च तक और सेक्शन ऑर्डर लॉक करने के लिए 23 मार्च से 30 मार्च 2026 तक अवधि निर्धारित की गई है। प्राप्त निर्देशानुसार उक्त तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं होने पर संबंधित संस्थाओं के पात्रता रखने वाले विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित होने की स्थिति में संस्था प्रमुख जिम्मेदार होंगे।

विश्व जल दिवस : कवर्धा में जनजागरूकता कार्यक्रम पर लिया जल संरक्षण का संकल्प

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

विश्व जल दिवस के अवसर पर पीजी कॉलेज, कवर्धा डोम में जल जीवन मिशन अंतर्गत भव्य जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों की सहभागिता रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष कबीरधाम ईश्वरी साहू उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में सभापति जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पूणिर्मा साहू, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि लोकचंद साहू, मिलु साहू, नरेंद्र मानिकपुरी, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड कबीरधाम डी.एस. राजपूत तथा सहायक अभियंता गोपाल प्रसाद ठाकुर सहित बड़ी संख्या में सरपंच एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात सभी उपस्थितजनों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई, जिसमें जल के सदुपयोग, संरक्षण एवं अपव्यय रोकने का संकल्प लिया गया। मुख्य अतिथि ईश्वरी साहू ने अपने संबोधन में कहा कि जल जीवन का आधार है और प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह जल संरक्षण को अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी समझे। अन्य वक्ताओं ने भी जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जनभागीदारी को आवश्यक बताया। वक्ताओं ने कहा कि जल बचाने के लिए व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाना अत्यंत जरूरी है। कार्यक्रम में शासन द्वारा संचालित जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने जल स्रोतों के संरक्षण, पाइपलाइन व्यवस्था के सही संचालन तथा जल के संतुलित उपयोग पर जोर दिया, ताकि भविष्य में जल संकट से बचा जा सके।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत आस्था कला मंच, कबीरधाम के कलाकारों ने जल संरक्षण पर आधारित प्रभावशाली प्रस्तुति दी, जिसने उपस्थित जनसमूह को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर हर घर जल प्रमाणित ग्राम पंचायतों के सरपंचों को सम्मानित किया गया। विकासखंड बोड़ला के ग्राम पंचायत बोदा-03, कामाडाबरी, बोल्दाकला, बोरिया, अंधरीकछार एवं बरबसपुर के सरपंचों को जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं जनसहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सरपंच एवं नागरिक उपस्थित रहे।

दीपिका पादुकोण के आठ घंटे शिफ्ट की डिमांड पर दिव्या दत्ता ने दी प्रतिक्रिया

दीपिका पादुकोण के आठ घंटे शिफ्ट की डिमांड करने के बाद इंडस्ट्री में इसको लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। इस बहस पर पूरी इंडस्ट्री दो खेमों में बंटी नजर आई। अधिकांश सेलेब्स ने जहां दीपिका पादुकोण की मांग का समर्थन किया। तो वहीं कुछ ने इससे अपनी नाइत्तेफाकी भी जताई। अब अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी है।

हम जनरलाइज नहीं कर सकते

एचटी सिटी से बात करते हुए दिव्या दत्ता ने कहा कि हम इन चीजों को जनरलाइज नहीं कर सकते। एक कार्यक्रम का जिक्र करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि वहां एक महिला महिला अधिकारों के बारे में बात कर रही थी। उसी समय पुरुष विरोधी बातें भी हो रही थीं। तभी वहां एक आदमी खड़ा हुआ और बोला, 'मैडम, मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूं, लेकिन क्या आप कृपया संबंधित व्यक्ति से कह सकती हैं?' इसलिए हम इन चीजों को जनरलाइज नहीं कर सकते।

जो मुझे ठीक लगे, हो सकता दूसरे को न लगे

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि जो बात मुझे ठीक लगे, वो दूसरे को शायद ठीक न लगे। उनकी स्थिति मेरी स्थिति से अलग है। तो किसी की स्थिति पर टिप्पणी करने वाली मैं कौन होती हूं? वैसे भी ये दो लोगों के बीच का मामला है। ये एक्टर्स और निर्माता के बीच का मामला है। अगर मुझे कभी जल्दी जाना पड़े और निर्देशक को इससे कोई आपत्ति न हो, तो कोई बात नहीं। अगर उन्हें आपत्ति है, तो वो साथ काम नहीं करते। बात इतनी ही सरल है।

'चिरैया' में नजर आई हैं दिव्या

वर्कफ्रंट की बात करें तो दिव्या दत्ता की नई सीरीज 'चिरैया' आज ही रिलीज हुई है। यह वेब सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। इससे पहले दिव्या को आखिरी बार विक्की कौशल स्टारर फिल्म 'छावा' में देखा गया था। उन्होंने फिल्म में सोयराबाई की भूमिका निभाई थी।

'द इंडिया हाउस' का हिस्सा बनने पर सई मांजरेकर ने जताई खुशी

अभिनेत्री सई मांजरेकर अपनी पैन इंडिया फिल्म 'द इंडिया हाउस' को लेकर काफी काफी उत्साहित हैं। 1905 में प्रेम और क्रांति की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में सई सती की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर सई का कहना है कि एक हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है, जो इस फिल्म के साथ पूरा हो रहा है।

ऐतिहासिक फिल्म में काम करना मेरा सपना था

बातचीत में एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर कहा कि किसी ऐतिहासिक फिल्म में अभिनय करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। जब मुझे पता चला कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं, तभी से मैं एक ऐतिहासिक फिल्म में काम करना चाहती थी। इसलिए यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। 'द इंडिया हाउस' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अद्भुत अनुभव है। जब मैंने पहली बार इसकी कहानी सुनी, तो मुझे पता चल गया कि यह सिर्फ एक और फिल्म नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी है जिसमें भावनाएं, इतिहास और उद्देश्य समाहित हैं।

उस दौर के बारे में जानना काफी अच्छा रहा

अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि मेरा किरदार सती का है, और यह एक खूबसूरत भूमिका है। वह दृढ़ इच्छाशक्ति वाली होने के साथ-साथ कोमल और दयालु भी हैं। अपने भीतर इस संतुलन को खोजना एक बेहद यादगार अनुभव रहा। मुझे याद है कि एक सीन के बीच में मैं अक्सर 'प्लीज' या 'धन्यवाद' जैसे शब्द बोल देती थी, जो हम अन्य जॉनर में आसानी से इस्तेमाल करते हैं। फिर मैं माफी मांगती और सीन दोबारा करती। उस दौर के बारे में जानना और लोगों के रहन-सहन, पहनावे और बोलने के तरीके को समझना एक दिलचस्प अनुभव रहा है। इतने समृद्ध इतिहास से घिरे हम्पी में शूटिंग करने से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।

भाग्यशाली हूं इन स्टार्स के साथ काम करने का मौका मिला

फिल्म की टीम के साथ काम करने के अनुभव को लेकर सई ने कहा कि राम चरण के पहले प्रोडक्शन में काम करना मेरे लिए सचमुच अनमोल है। वो साउथ इंडस्ट्री के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं। सिनेमा और इसमें शामिल हर व्यक्ति के प्रति उनका सम्मान इस फिल्म के हर पहलू में झलकता है। खिल सिद्धार्थ और अनुपम खेर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अनुभव रहा है। इतने प्रतिभाशाली अभिनेताओं के साथ सेट पर रहना आपको हर दिन अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करता है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मैं एक ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं जो प्यार, क्रांति और भारत की भावना का जश्न मनाती है।

रोहित शेट्टी ने शुरू की 'गोलमाल 5' की शूटिंग

बॉलीवुड डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने अपनी सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी गोलमाल के 20 साल पूरे होने पर फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए आधिकारिक तौर पर 'गोलमाल 5' की शूटिंग शुरू होने का ऐलान कर दिया है। रोहित शेट्टी ने अपने पोस्ट में लिखा, '20 साल पहले 'गोलमाल' रिलीज हुई थी, एक ऐसी फिल्म जिसने मेरी जिंदगी बदल दी। इसका पूरा क्रेडिट आप सभी दर्शकों को जाता है। पिछले 20 सालों में हमने आपको खूब एंटरटेन किया और कभी-कभी निराश भी किया, लेकिन हमने हमेशा अपने काम के प्रति ईमानदारी बनाए रखी।' उन्होंने आगे लिखा कि अब उनकी शानदार टीम एक बार फिर नए सफर पर निकलने के लिए तैयार है। डायरेक्टर ने बताया कि 'गोलमाल 5' की शूटिंग शुरू हो चुकी है और इस बार भी उनका मकसद दर्शकों को भरपूर एंटरटेन करना है। पोस्ट के आखिर में उन्होंने लिखा, 'आपका प्यार और सपोर्ट हमेशा मिला है। अब हमें सिर्फ आपके आशीर्वाद की जरूरत है। सिनेमाघरों में मुलाकात होगी।' दरअसल, 'गोलमाल' फ्रेंचाइजी बॉलीवुड की सबसे सफल कॉमेडी सीरीज में से एक मानी जाती है। इसकी शुरुआत 2006 में रिलीज हुई पहली फिल्म गोलमाल: फन अनलिमिटेड से हुई थी। इसके बाद गोलमाल रिटर्न्स (2008), गोलमाल 3 (2010) और गोलमाल अगेन (2017) ने भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। फ्रेंचाइजी की खास बात इसकी कॉमिक टाइमिंग, मजेदार कहानी और स्टारकास्ट रही है। इस सीरीज में आमतौर पर अजय देवगन, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े और कुणाल खेमू जैसे कलाकार नजर आते रहे हैं। हालांकि 'गोलमाल 5' में फाइनल कास्ट क्या होगी, इस बारे में अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि सूत्रों के अनुसार अजय देवगन, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, कुणाल खेमू और शरमन जोशी शामिल हो सकते हैं, साथ ही करीना कपूर, सारा अली खान और अक्षय कुमार जैसे नाम चर्चा में हैं।

अभिनेता और निर्देशक के बाद निर्माता बने कुणाल खेमू

कुणाल खेमू ने बॉलीवुड में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट शुरुआत की, फिर लीड एक्टर के तौर पर काम किया। पिछले साल निर्देशक के तौर पर पहली फिल्म बनाई। अब वह अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू कर रहे हैं। कुणाल का मकसद अलग किस्म की फिल्में बनाने का है। सोशल मीडिया पर कुणाल खेमू ने यह जानकारी साझा की है कि वह प्रोडक्शन हाउस शुरू कर रहे हैं। इस प्रोडक्शन हाउस को उन्होंने चिराग निहलानी के साथ शुरू किया है। पिछले साल कुणाल ने मडगांव एक्सप्रेस को निर्देशित किया था, यह उनके डायरेक्शन में बनी पहली फिल्म थी। इस फिल्म को दर्शकों ने सराहा था।

कैसी फिल्में बनाएंगे कुणाल खेमू?

अपने प्रोडक्शन हाउस तले कुणाल और चिराग ऐसी कहानियों को सपोर्ट करना चाहते हैं जो मनोरंजक हो, दिलचस्प और दमदार हों। वह ऐसी फिल्में बनाना चाहते हैं, जो क्रिएटिविटी, एंटरटेनमेंट का बैलेंस बनाकर चलें।

इस फिल्म में करेंगे अभिनय?

कुणाल खेमू भले ही निर्माता बन गए हों लेकिन वह दूसरे प्रोडक्शन हाउस की फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं। इस साल वह फिल्म 'गोलमाल 5' में नजर आएंगे। इस फिल्म को रोहित शेट्टी निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, अरशद वारसी के अलावा कई उम्दा कलाकार भी नजर आएंगे।

अक्षय कुमार से इंस्पायर हुई वामिका गब्बी

फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर वामिका गब्बी काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म में वह बिल्कुल ही अलग अंदाज में दर्शकों से रूबरू होंगी। हाल ही में फिल्म से जुड़ी एक अपडेट सामने आई, जिससे पता चलता है कि एक्ट्रेस खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार से काफी इंस्पायर है। वह उनके नक्शे-कदमों पर चल रही हैं। जानिए, ऐसा क्या कर रही हैं वामिका गब्बी।

सूत्रों के अनुसार फिल्म 'भूत बंगला' में वामिका गब्बी ने अपने एक्शन सीन खुद किए हैं। एक्ट्रेस ने एक ट्रेन सीक्वेंस शूट किया, जिसमें वह ट्रेन के किनारे पर खड़ी थीं। इस सीन के लिए अक्षय कुमार के साथ एकदम सही तालमेल और टाइमिंग की जरूरत थी। वामिका ने अक्षय कुमार का पूरा साथ दिया।

पिछले दिनों फिल्म 'भूत बंगला' का टीजर रिलीज हुआ। इसमें अक्षय कुमार जहां अपनी कॉमेडी से हंसाते हैं। वहीं डरावना माहौल भी टीजर में दिखता है। अक्षय कुमार का लुक भी टीजर में काफी अलग नजर आया है। कहानी के अलावा बाकी कलाकारों की भी झलक भी टीजर में दिखती है, इसमें वामिका भी नजर आई। टीजर से ही हिंट मिला है कि इसमें एक रहस्मयी जीव है जो सबको डराता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी के अलावा परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव भी हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में असरानी की भी झलक मिलेगी। पिछले साल इस दिग्गज अभिनेता ने दुनिया को अलविदा कह दिया था।

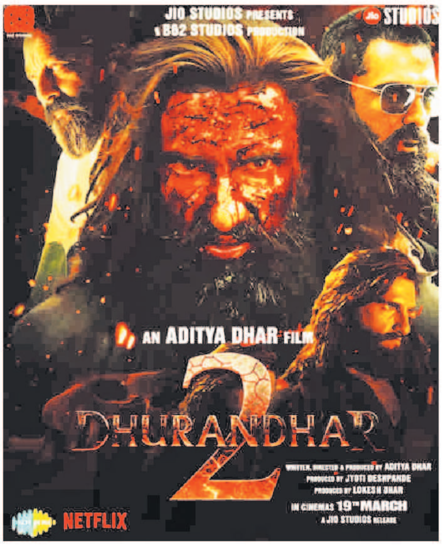

'धुरंधर 2' के वो नए कलाकार जिन्होंने अपनी एक्टिंग से किया हैरान

'धुरंधर' की सफलता के बाद अब 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। इस बार फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह पहले पार्ट से भी ज्यादा देखने को मिल रहा है। दूसरे पार्ट में कहानी आगे बढ़ती है। यही कारण है कि इस बार फिल्म की कास्ट में कई नए कलाकार भी शामिल हुए हैं। जानते हैं 'धुरंधर 2' में शामिल हुए नए कलाकारों के बारे में।

दानिश इकबाल

'धुरंधर' के बाद हर किसी को इंतजार था कि 'धुरंधर 2' में बड़े साहब कौन है? अब फिल्म की रिलीज के बाद इस बात से पर्दा हट चुका है। क्योंकि बड़े साहब के किरदार में दानिश इकबाल नजर आए हैं। फिल्म में उन्होंने जबरदस्त काम किया है और अपने किरदार से इंसाफ किया है।

यामी गौतम

ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि 'धुरंधर 2' में यामी गौतम भी नजर आ सकती हैं। अब 'धुरंधर 2' के रिलीज होने के बाद यामी गौतम का फिल्म कैमियो नजर आया है। 'धुरंधर : द रिवेंज' में यामी शाजिया बानो की भूमिका निभा रही हैं, जो एक नर्स है। हालांकि, इसके आगे बताना स्पॉइलर हो जाएगा। लेकिन इस स्पाई-थ्रिलर में यामी का कैमियो है।

उदयबीर संधू

यामी गौतम के अलावा 'धुरंधर 2' में अभिनेता उदयबीर संधू ने भी अहम भूमिका निभाई है। उदयबीर फिल्म में जसकीरत सिंह रांगी (रणवीर सिंह) के करीबी दोस्त गुरबाज सिंह का किरदार निभा रहे हैं। उन्हें प्यार से पिंडा कहा जाता है।

भाषा सुंबली

'द कश्मीर फाइल्स' से चर्चा में आई अभिनेत्री भाषा सुंबली भी इस स्पाई-थ्रिलर में नजर आई हैं। उन्होंने 'धुरंधर 2' में एक वकील की भूमिका निभाई है। उनका किरदार बहुत लंबा तो नहीं, लेकिन महत्वपूर्ण जरूर है।

मधुरजीत सरघी

मधुरजीत सरघी जसकिरत सिंह रांगी यानी रणवीर सिंह की मां प्रभनीत कौर रांगी के किरदार में नजर आती हैं। वो इससे पहले टेलीविजन शो और कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

सुविंदर पाल

सुविंदर पाल ने ब्रिगेडियर जहांगीर का किरदार निभाया है। कोहरा फिल्म के लिए मशहूर इस अभिनेता को 'धुरंधर द रिवेंज' में अर्जुन रामपाल उर्फ मेजर इकबाल के पिता के रूप में देखा जा सकता है।

परवीर कौर

जसकीरत सिंह रांगी की बहन के किरदार में परवीर कौर नजर आई हैं। उन्होंने फिल्म में जसलीन कौर रांगी की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनकी भूमिका अहम है।

हितिका बाली

अभिनेत्री हितिका बाली ने 'धुरंधर 2' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वो फिल्म में जसकीरत सिंह रांगी की दूसरी बहन हरलीन कौर रांगी के रोल में नजर आई हैं।

संयंत्र में ऑनलाइन व्हीकल एरिया पास प्रणाली का शुभारंभ, डिजिटल पहल से सुदृढ़ होगी सड़क सुरक्षा

जटिल प्रशासनिक प्रक्रिया होगी सरल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र ने डिजिटल परिवर्तन की दिशा में 23 मार्च को ऑनलाइन व्हीकल एरिया पास प्रणाली का शुभारंभ किया। इस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग (एसईडी) एवं कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (सी एंड आईटी) द्वारा मानव संसाधन विकास केंद्र में एक प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का संयुक्त रूप से आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 140 ठेका पयर्वेक्षकों एवं उनके प्रतिनिधियों की सहभागिता रही।

उल्लेखनीय है की पहले व्हीकल एरिया पास प्रणाली पारंपरिक कागज आधारित प्रक्रिया थी, जिसे सीआईएसएफ द्वारा किया जाता था। जो अब नई ऑनलाइन उसका स्थान लेकर रीयल-टाइम डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पारदर्शिता, सुरक्षा अनुपालन एवं कार्यकुशलता को बढ़ावा देगी, साथ ही सीआईएसएफ कर्मियों एवं

ठेका एजेंसियों के प्रशासनिक भार को भी कम करेगी।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक देबदत्त सतपथी, मुख्य महाप्रबंधक समीर गुप्ता, महाप्रबंधक प्रभारी सुश्री नीना जायसवाल, निरीक्षक सुश्री मनोरमा तथा महाप्रबंधक सुश्री सरबानी दास उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समन्वयन महाप्रबंधक जे. तुलसी दासन द्वारा किया गया एवं उप महाप्रबंधक सुश्री रंजीता सोनपिप्रे द्वारा प्रणाली का विस्तृत तकनीकी प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिसमें इसके संचालन तंत्र एवं उपयोगकर्ता इंटरफेस की जानकारी साझा की गई।

मुख्य महाप्रबंधक समीर गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि इंटरनेट आधारित

तकनीकों को अपनाने से जटिल प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी तथा सभी हितधारकों की कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। वहीं मुख्य महाप्रबंधक देबदत्त सतपथी ने बताया कि पूर्व की मैनुअल प्रणाली में मानवीय त्रुटियों, कागजी कार्यवाही की जटिलताओं तथा वाहनों की सीमित ट्रैकिंग जैसी समस्याएँ थीं, जिन्हें यह नई डिजिटल प्रणाली दूर करेगी और संयंत्र परिसर में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर निरीक्षक सुश्री मनोरमा ने इस पहल की सराहना करते हुए परिवर्तन के इस चरण में सीआईएसएफ की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। महाप्रबंधक प्रभारी सुश्री नीना जायसवाल ने प्रारंभिक चुनौतियों की संभावना को स्वीकार करते हुए त्वरित समाधान एवं सतत सहयोग का भरोसा दिलाया। समापन संबोधन में महाप्रबंधक जे. तुलसीदासन ने कहा कि भारत में सड़क दुर्घटनाएँ मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक हैं तथा यह नई प्रणाली संयंत्र में गति नियंत्रण एवं सड़क सुरक्षा प्रोटोकॉल को सुदृढ़ करने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होगी।

खास खबर

तुमड़ीबोड़ में सजेगा छत्तीसगढ़ी कला का महाकुंभ : 29 से 'लोक मड़ई' का भव्य शंखनाद

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ की माटी की सोंधी महक और लोक कलाओं की गूंज अब डोंगरगांव विधानसभा के ग्राम तुमड़ीबोड़ में सुनाई देगी। क्षेत्रीय विधायक दलेश्वर साहू की विशेष पहल पर आगामी 29, 30 और 31 मार्च 2026 को त्रैयदिवसीय 'लोक मड़ई' का ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। यह महोत्सव न केवल मनोरंजन का साधन होगा, बल्कि छत्तीसगढ़ी अस्मिता और पारंपरिक कलाकारों के सम्मान का एक सशक्त माध्यम बनेगा।

सांस्कृतिक पुनरुत्थान की एक नई सोच

विधायक दलेश्वर साहू के मार्गदर्शन में आयोजित इस 'लोक मड़ई' का मुख्य उद्देश्य आधुनिकता की दौड़ में पीछे छूट रही लोक परंपराओं को सहेजना है। विधायक साहू का मानना है कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, मांदर की थाप और लोक गीतों से जोड़ना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

आयोजन के मुख्य आकषर्ण, कला संगम: तीन दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में पंथी, सुआ, करमा, ददरिया और पंडवानी जैसे पारंपरिक विधाओं की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियाँ होंगी।

स्थानीय प्रतिभाओं को मंच: इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें छत्तीसगढ़ के दूर-दराज के गांवों में छिपे गुमनाम कलाकारों को अपनी कला प्रदर्शित करने का बड़ा मंच मिलेगा।

ग्रामीण परिवेश का जीवंत रूप: कार्यक्रम स्थल पर पारंपरिक मड़ई का स्वरूप दिखेगा, जहाँ हस्तशिल्प और छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के स्टॉल आकर्षण का केंद्र होंगे। जैसे-जैसे कार्यक्रम की तिथियां नजदीक आ रही हैं, तुमड़ीबोड़ और आसपास के क्षेत्रों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। विमल सिंह ठाकुर (विनायक पासपोर्ट सेवा केंद्र) सहित कई सामाजिक प्रतिनिधियों ने इस पहल की सराहना की है। कार्यकर्ताओं की टोलियां गांव-गांव जाकर आमंत्रण दे रही हैं। अनुमान है कि इस तीन दिवसीय सांस्कृतिक यज्ञ में लाखों की संख्या में श्रद्धालु और कला प्रेमी शामिल होंगे।

"हमारी संस्कृति ही हमारी असली पहचान है। लोक मड़ई 2026 के माध्यम से हम अपनी समृद्ध परंपराओं को नई ऊंचाई देने का प्रयास कर रहे हैं। मैं समस्त क्षेत्रवासियों से अपील करता हूँ कि सपरिवार इस उत्सव का हिस्सा बनें और हमारे कलाकारों का मान बढ़ाएं।"

विधायक दलेश्वर साहू

छुईखदान जनपद में वेतन विवाद ने पकड़ा तूल, प्रभारी सीईओ पर मनमानी के आरोप

जांच की मांग से गरमाई सियासत

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़-छुईखदान-गंडई

जिले के छुईखदान जनपद पंचायत में प्रशासनिक खींचतान अब खुलकर सामने आ गई है। ग्राम पंचायत सचिवों के वेतन रोके जाने का मामला अब गंभीर विवाद का रूप ले चुका है। जनपद पंचायत छुईखदान के सभापति सुधीर गोलछा द्वारा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को लिखे गए विस्तृत पत्र ने पूरे मामले को नई दिशा दे दी है। पत्र में प्रभारी सीईओ श्रीमती केश्वरी देवांगन पर अधिकारों के दुरुपयोग और नियमों की अनदेखी के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

पत्र क्रमांक 22/सभापति/जप छुई/2026, 19 मार्च 2026 में सभापति ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि प्रभारी सीईओ के रूप में कार्यरत अधिकारी द्वारा लगातार ऐसे निर्णय लिए जा रहे हैं, जो न केवल प्रशासनिक दृष्टि से आपत्तिजनक हैं, बल्कि वैधानिक रूप से भी संदिग्ध हैं। आरोप है कि ग्राम पंचायत सचिवों के वेतन को बिना सक्षम स्वीकृति और बिना किसी स्पष्ट कारण के रोका जा रहा है, जिससे निचले स्तर के कर्मचारियों में असंतोष और असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।

नियमों को दरकिनार कर लिया जा रहा फैसला

सभापति ने अपने पत्र में यह भी कहा है कि यह पूरा मामला छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 और छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के प्रावधानों की अनदेखी का प्रतीक है। उनका कहना है कि किसी भी अधिकारी को इस प्रकार कर्मचारियों का वेतन रोकने का एकतरफा अधिकार प्राप्त नहीं है। यदि ऐसा किया गया है, तो यह न केवल सेवा शर्तों का उल्लंघन है, बल्कि वित्तीय अनुशासन को भी चुनौती देता है।

प्रशासनिक सूत्रों की मानें तो इस तरह के मामलों में स्पष्ट प्रक्रिया और सक्षम प्राधिकारी की अनुमति आवश्यक होती है। ऐसे में बिना दस्तावेजी आधार के वेतन रोका जाना गंभीर अनियमितता माना जा सकता है।

कर्मचारियों में नाराजगी, व्यवस्था पर असर

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे अधिक असर ग्राम पंचायत सचिवों पर पड़ रहा है। वेतन रुकने के कारण कई सचिव आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। कुछ कर्मचारियों ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि समय पर वेतन नहीं मिलने से घर का बजट बिगड़ गया है, बच्चों की फीस जमा करने में कठिनाई हो रही है और दैनिक जरूरतों को पूरा करना भी चुनौती बन गया है।

वहीं, इसका असर पंचायत स्तर पर चल रहे विकास कार्यों पर भी दिखने लगा है। कई योजनाएं धीमी पड़ गई हैं, जबकि कुछ कार्यों में देरी की स्थिति बन गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसका सीधा असर जनता को मिलने वाली सुविधाओं पर पड़ रहा है।

यह केवल वेतन का नहीं, सिस्टम का भी सवाल

विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला केवल वेतन रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक जवाबदेही और अधिकारों के संतुलन का भी मुद्दा है। यदि किसी अधिकारी द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर निर्णय लिए जाते हैं, तो यह पूरी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय बन जाता है।

जांच के लिए उठे कई सवाल

सभापति द्वारा भेजे गए पत्र में इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए कई अहम सवाल उठाए गए हैं- प्रभारी सीईओ बनने के बाद अब तक कितने ग्राम पंचायत सचिवों का वेतन रोका गया? किन-किन सचिवों का वेतन प्रभावित हुआ और कितने समय से भुगतान लंबित है?

*** वेतन रोकने के पीछे क्या कारण अभिलेखों में दर्ज हैं?**

*** क्या प्रभारी सीईओ को इस प्रकार का निर्णय लेने का वैधानिक अधिकार है?**

*** यदि अधिकार नहीं है, तो क्या यह वित्तीय अनियमितता और पद के दुरुपयोग का मामला बनता है?**

*** क्या यह कृत्य सेवा आचरण नियमों के उल्लंघन की श्रेणी में आता है?**

कार्रवाई की मांग तेज

सभापति ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए तत्काल प्रभाव से उच्च स्तरीय समिति गठित की जाए। साथ ही, जांच पूरी होने तक संबंधित अधिकारी के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों को सीमित या निलंबित करने पर भी विचार किया जाए, ताकि किसी प्रकार का प्रभाव या हस्तक्षेप जांच प्रक्रिया को प्रभावित न कर सके। उन्होंने यह भी कहा है कि यदि जांच में आरोप प्रमाणित होते हैं, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। इसमें निलंबन, पद से हटाना या अन्य दंडात्मक कदम शामिल हो सकते हैं।

प्रशासन की साख दांव पर

यह मामला अब केवल एक प्रशासनिक शिकायत नहीं रह गया है, बल्कि यह शासन की पारदर्शिता और विश्वसनीयता से जुड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। यदि इस प्रकार की शिकायतों पर समय रहते कार्रवाई नहीं होती है, तो इससे आम जनता का प्रशासन पर भरोसा कमजोर हो सकता है। फिलहाल पूरे जिले में इस मामले को लेकर चर्चाएं तेज हैं। पंचायत प्रतिनिधि, कर्मचारी और आम नागरिक सभी इस बात पर नजर बनाए हुए हैं कि जिला प्रशासन इस संवेदनशील मामले में क्या रुख अपनाता है। आने वाले दिनों में इस प्रकरण की जांच और प्रशासनिक कार्रवाई ही यह तय करेगी कि मामला किस दिशा में आगे बढ़ता है।

"नियमों को ताक पर रखकर जनपद पंचायत छुईखदान में तृतीय श्रेणी कर्मचारी प्रभारी सीईओ द्वारा मनमानीपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। उच्च कार्यालय के अधिकारी भी दबाव में नजर आते है।"

सुधीर गोलछा, सभापति जनपद पंचायत छुईखदान

शिकायत प्राप्त हुईहै, 4-5 बिंदु में प्रभारी सीईओ से जवाब मांगा गया है, संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने पर कार्यवाही की जाएगी ' नियमों के पालन करने निर्देशित किया गया है।'

प्रेम कुमार पटेल, सीईओ जिला पंचायत खैरागढ़

घुमका शराब दुकान मामले में राज्यपाल कार्यालय की भी अवमानना- कांग्रेस

10 करोड़ के फर्जीवाड़ा और नियम विरुद्ध कार्य में लिप्तों की जुगलबंदी- रूपेश दुबे

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने गौरव ग्राम के नाम से बंद घुमका में शराब दुकान को खोलने के लिए प्रशासनिक साजिश के तहत पत्राचार कर ग्राम पंचायत से प्रस्ताव मंगाने के मामले का राज्यपाल के नाम जिला कार्यालय में 19 नवम्बर 2025 को पत्र सौंपा था।

किंतु शराब दुकान खोलने अंध संकल्पित जिला प्रशासन ने राज्यपाल के नाम पत्र को राजभवन(लोकभवन) ना भेज कर स्वयं जांच कर लिए थे जिसकी प्रमाणित दस्तावेजी शिकायत राज्यपाल को 1 मार्च 2025 को किया गया जिस पर राज्यपाल कार्यालय ने कार्यवाही करने राजभवन ने पत्र क्र 22000202500126 5 12 मई 2025 के द्वारा सचिव वाणिज्यकर विभाग/आबकारी आयुक्त रायपुर एवं 16 जुलाई 2025 को सचिव जनशिकायत निवारण विभाग को प्रेषित कर कार्यवाही से कार्यालय एवं शिकायतकर्ता को अवगत करा कराते हुए पोर्टल पर अपलोड कराने पत्र प्रेषित किया था जो आज तक अपूर्ण है इससे स्पष्ट होता है कि शराब के अवैध कारोबार में सरकार राज्यपाल महोदय जैसे संवैधानिक पद की भी अवमानना कर रही है।

प्रवक्ता दुबे ने यह भी कहा कि वही जिला प्रशासन अब गौठान और महिला सशक्तिकरण, महिला स्वसहायता समूहों को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से निर्मित प्रशिक्षण भवन की सत्यता छिपा कर वार्ड क्र 15 के शासकीय भवन दर्शाकर लगभग 5 हजार की जनसंख्या में सौ दो सौ कतिपय मदिरा प्रेमियों के कहने पर नगर पंचायत के नीतिगत निर्णय के विपरीत सीएमओ के गुमराह पूर्ण एनओसी पर कलेक्टर के नाम मिले 10 करोड़ के चेकबाउंस के मामले में आरोपियों को बचाकर पीड़ित जनता को उनके हक की राशि से वंचित कर जिला न्यायालय का अवमानना करने वाले के साथ शराब दुकान की तैयारी करना जनहित के साथ अन्याय है।

वर्षों पुराने सार्वजनिक मार्ग को बंद करने को लेकर कांग्रेस ने किया विरोध, सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मोहन नगर, दुर्ग स्थित कांगला मांझी (आदिवासी समाज) कार्यालय, मंगल भवन एवं राइजिंग लाइन से जुड़े लगभग 60 वर्षों से उपयोग में रहे सार्वजनिक मार्ग को जल संसाधन विभाग द्वारा पक्की बाउंड्री एवं गेट लगाकर बंद किए जाने के विरोध में शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल एवं नेता प्रतिपक्ष एवं वार्ड पार्षद संजय कोहले के नेतृत्व में कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन विभाग को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में बताया गया कि यह मार्ग वर्षों से आमजन के आवागमन का प्रमुख साधन रहा है, जिससे मोहन नगर के नागरिक निरंतर उपयोग करते आ रहे हैं। इसी मार्ग से होकर गुजरने वाली राइजिंग लाइन के माध्यम से कमर्चारी नगर में पानी की आपूर्ति होती है, ऐसे में गेट एवं बाउंड्री निर्माण से पाइपलाइन के रखरखाव में बाधा उत्पन्न होने के साथ-साथ जल आपूर्ति भी प्रभावित होने की आशंका है।

कांग्रेस ने यह भी कहा कि यह मार्ग आपातकालीन सेवाओं—जैसे एम्बुलेंस एवं फायर ब्रिगेड—के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मार्ग बंद होने की स्थिति में आपातकालीन सेवाएं बाधित होंगी, जिससे जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

इस अवसर पर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि 60 वर्षों से उपयोग में रहे सार्वजनिक मार्ग को बंद करना पूरी तरह जनविरोधी निर्णय है। इससे आम नागरिकों, आदिवासी समाज एवं आवश्यक सेवाओं पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है और किसी भी स्थिति में जनहित के साथ समझौता नहीं किया जाएगा।

इस दौरान दुर्ग कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, संजय कोहले, रायसिंह ढिकोला , अजय शर्मा, अल्ताफ अहमद, अनूप वर्मा, प्रवक्ता सुशील भारद्वाज, ओमप्रकाश जोशी, सन्नी साहू, शंकर ठाकुर, प्रकाश जोशी, मनीष बघेल, गौरव उमरे, आयुष शर्मा, अली असगर, राकेश ठाकुर, मुकुंद देवेश पुरोहित, राजेश पुरोहित, अनिल कन्नौजिया, कुंदन सोनी, अनिल काला, रामचरण, नरेंद्र, भगत, निषाद सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

10 करोड़ की सड़कों का डामरीकरण अधर में, कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शहर में स्वीकृत करोड़ों रुपए की सड़क निर्माण योजना अब सवालों के घेरे में आ गई है। पूर्व पार्षद हेमंत ओस्तवाल ने कलेक्टर जितेंद्र यादव को पत्र लिखकर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए हस्तक्षेप की मांग की है।

ओस्तवाल ने बताया कि शासन द्वारा आदेश क्रमांक 4604/2024-25 दिनांक 3 सितंबर 2024 के तहत लगभग 10 करोड़ 4 लाख 34 हजार रुपए की लागत से शहर की 41 सड़कों के डामरीकरण को स्वीकृति दी गई थी। इसके बावजूद अधिकांश सड़कों पर अब तक काम शुरू नहीं हो पाया है, जिससे आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि टेंडर प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी करते हुए भ्रष्टाचार किया गया है और निगम के जिम्मेदार अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि इस पर गंभीर नहीं हैं। शहर की कई सड़कें अब भी जर्जर और उबड़-खाबड़ स्थिति में हैं,

जबकि गर्मी के मौसम में निर्माण कार्य पूरा किया जाना चाहिए था।

ओस्तवाल ने यह भी सवाल उठाया कि स्वीकृत 41 सड़कों में से कितनी का निर्माण हुआ और कितनी शेष हैं, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। गौरवपथ सड़क, जिसकी लागत लगभग 1 करोड़ 18 लाख रुपए बताई जा रही है, उसके कार्य और स्वीकृत राशि की भी जांच की मांग की गई है।

उन्होंने कलेक्टर से लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से पूरे प्रकरण की जांच कराने और मूल फाइलों की समीक्षा करने का आग्रह किया है, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके। साथ ही निगम द्वारा 14 सड़कों के लिए पुनः टेंडर प्रक्रिया शुरू करने को भी चिंताजनक बताया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा हाल ही में गुणवत्ताहीन निर्माण कार्यों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश का हवाला देते हुए ओस्तवाल ने कहा कि जिले में भी ऐसे मामलों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कलेक्टर से शहर एवं ग्रामीण वार्डों का स्वयं निरीक्षण कर बरसात से पहले सभी सड़कों का गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित कराने की मांग की है।

अवैध निर्माण को वैध बनाने राजस्व रिकॉर्ड में हेराफेरी, कांग्रेस ने किया घेराव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

अवैध कॉलोनाइजरों और व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स संचालकों को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए राजस्व अभिलेखों में कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के विरोध में जिला शहर कांग्रेस कमेटी ने उग्र प्रदर्शन किया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसियों ने 'नगर तथा ग्राम निवेश कार्यालय' का घेराव कर जमकर नारेबाजी की और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

घेराव प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जितेंद्र मुदलियार ने गंभीर आरोप लगाया कि अधिकारियों द्वारा सुनियोजित षड्यंत्र के तहत पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा, "नंदई चौक से रानीतराई तक सड़क की वास्तविक चौड़ाई 30 मीटर है, लेकिन नगर तथा ग्राम निवेश विभाग द्वारा इसे रिकॉर्ड में 45 मीटर दर्शाया जा रहा है। इस हेरफेर से भविष्य में आम जनता के वैध निर्माण भी अतिक्रमण की श्रेणी में आ जाएंगे

और सड़क चौड़ीकरण के समय उन्हें कोई मुआवजा भी नहीं मिल सकेगा। वहीं मुदलियार ने कहा कि एक मध्यमवर्गीय व्यक्ति जीवनभर की जमा पूंजी लगाकर सिर छुपाने के लिए छत बनाता है, लेकिन विभाग की मिलीभगत से उनकी आजीविका और संपत्ति पर संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम, राजस्व विभाग और नगर तथा ग्राम निवेश विभाग की सांठगांठ से अवैध कॉलोनियों को संरक्षण दिया जा रहा है। कांग्रेस ने इस पूरे मामले को गंभीर आर्थिक एवं प्रशासनिक अपराध करार दिया है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि दस्तावेजों में कूटनीति करने वाले अधिकारियों पर तत्काल FIR दर्ज हो। जिससे प्रभावित क्षेत्र के निवासियों को न्याय मिले। साथ ही साथ अवैध परियोजनाओं को संरक्षण देने वाले जिम्मेदारों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

इस घेराव प्रदर्शन में मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष रमेश राठौर, दिनेश शर्मा, पूर्व महापौर सुदेश देशमुख, प्रदेश सचिव प्रवीण मेश्राम, दक्षिण ब्लाक अध्यक्ष लक्ष्मण साहू सहित इकरामुद्दीन सोलंकी, राकेश जोशी, मामराज अग्रवाल, रूबी गरचा, अशोक फडणवीस, अशोक पंजवानी, सूयर्कांत जैन, जयनारायण सिंह, महेंद्र बहादुर, मनीष गौतम और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

!! न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग !!

-:: ईश्तहार::-

रा.प्र.क्र. ब-121 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सबरून निशा पति सरफुददीन अंसारी निवासी अहमद नगर केम्प 02 भिलाई द्वारा अपने स्वयं का जन्म दिनांक 06.06.1976 को को होने के कारण एवं भूलवश जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण जन्म प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

आवेदक जगदीश सिंह पिता मुर्मेल सिंह निवासी खुर्सीपार भिलाई द्वारा अपने स्वयं का जन्म दिनांक 30.12.1990 को को होने के कारण एवं भूलवश जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण जन्म प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 30.03.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08.03.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

!! न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग !!

-:: ईश्तहार::-

रा.प्र.क्र. ब-121 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिनेष अग्रवाल पिता रामचंद्र अग्रवाल निवासी खुर्सीपार भिलाई द्वारा अपने स्वयं का जन्म दिनांक 20.01.1978 को को होने के कारण एवं भूलवश जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण जन्म प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 30.03.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08.03.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

विधायक रिकेश ने विधानसभा में उजागर की जेके लक्ष्मी सीमेंट की बड़ी धांधली

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बिना अनुमति करोड़ों का निर्माण, राजस्व को चूना

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने विधानसभा सत्र के दौरान प्रदेश में औद्योगिक घरानों द्वारा की जा रही नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक मिलीभगत के एक गंभीर मामले को प्रमुखता से उठाया है। विधायक सेन के ध्यानाकर्षण पर सरकार द्वारा दिए गए जवाब ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दुर्ग जिला अंतर्गत मलपुरी खुर्द में स्थित जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड ने बिना वैधानिक भवन अनुज्ञा प्राप्त किए ही भारी भरकम निर्माण कार्य कर लिया है।

क्या है पूरा मामला

विधायक रिकेश सेन द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने स्वीकार किया कि जेके लक्ष्मी सीमेंट ने नगर तथा ग्राम निवेश विभाग और संबंधित निकाय से अनिवार्य भवन अनुज्ञा प्राप्त नहीं की गई है। नियमानुसार, बिना भवन अनुज्ञा के किसी भी प्रकार का स्थायी निर्माण अवैध की श्रेणी में आता है।

मुख्य बिंदु जो विधानसभा में ध्यानाकर्षण बाद सामने आए

नियमों की धज्जियां – इतने बड़े औद्योगिक समूह द्वारा बिना अनुमति के निर्माण कार्य पूर्ण कर लेना सीधे तौर पर शासन के नियमों को चुनौती देना है।

राजस्व की हानि – विधायक सेन ने इस धांधली से राज्य शासन को होने वाली राजस्व हानि का मुद्दा उठाया। हालांकि प्रशासन ने वतर्मान में इसकी गणना करने में असमथर्ता जताई है, लेकिन यह स्पष्ट है कि अनुमति प्रक्रिया न होने से शासन को बड़े शुल्क का नुकसान हुआ है।

कानूनी कार्रवाई – मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पालिका परिषद अहिवारा द्वारा नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 187 के तहत कंपनी को नोटिस जारी किया गया है।

विधायक रिकेश सेन का कड़ा रुख

इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए विधायक रिकेश सेन ने कहा कि यह बेहद गंभीर विषय है कि एक बड़ी कंपनी केवल अनापत्ति के आधार पर निर्माण कार्य कर लेती है और जिम्मेदार निकाय को अंधेरे में रखा जाता है। यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि राज्य के राजस्व की चोरी भी है। मैंने इस मुद्दे को सदन में पूरी ताकत से रखा है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि दोषियों पर न केवल जुर्माना लगाया जाए, बल्कि सख्त दंडात्मक कार्रवाई भी हो।

विधायक सेन ने आगे कहा कि वह इस मामले की तह तक जाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि औद्योगिक घराने प्रदेश के कानूनों को हल्के में न लें। उन्होंने अधिकारियों से भी जवाबदेही तय करने की मांग की है कि आखिर बिना अनुमति इतना बड़ा निर्माण कार्य उनकी आंखों के सामने कैसे हो गया।

गर्मी के मद्देनजर खाद्य विभाग अलर्ट, पानी और जूस फैक्ट्रियों का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भीषण गर्मी के आगमन को देखते हुए जिला खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले की पानी फैक्ट्रियों में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार खाद्य नियंत्रक एवं औषधि प्रशासन के मार्गदर्शन में विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया।

इस कार्यवाही के दौरान विगत 19 मार्च को आरएस इंटरप्राइसेस जामुल और पाल एक्का छावनी भिलाई से पानी की बोतलों के नमूने लिए गए। वहीं, 20 मार्च को कुम्हारी स्थित आईबी साल्युसन में नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर 180 बोरी पानी पाऊच जप्त किए गए। इसके अतिरिक्त, 23 मार्च को अमर बेवरेजेस कैलाश नगर भिलाई से पानी की बोतल और ज्योति इंडस्ट्रीज जेवरा सिरसा से लीची जूस के नमूने संकलित कर जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

जांच के दौरान वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती रिचा शर्मा और खाद्य सुरक्षा अधिकारी नारद राम कोमरे ने फर्मों के संचालकों को कर्मचारियों के मेडिकल प्रमाणपत्र और पानी की शुद्धता की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही, स्वच्छता बनाए रखने और कार्य के दौरान कर्मचारियों को हैंड ग्लव्स व हेड कैप अनिवार्य रूप से पहनने की हिदायत दी गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 (विनियम 2011) के तहत कड़ी कार्यवाही की जाएगी। गर्मी के सीजन को देखते हुए नमूनों के संकलन और निरीक्षण का यह कार्य आने वाले दिनों में भी निरंतर जारी रहेगा।

हाफ सीएल की सुविधा कर्मचारियों के लिए भी लागु करे बीएसपी प्रबंधन – बीएकेएस

भिलाई। बीएसपी अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने बीएसपी के अधिशासी निदेशक मानव संसाधन को पत्र लिखकर आधा सीएल की सुविधा बीएसपी के कर्मचारियों को भी देने का मांग किया है। अपने पत्र में यूनियन ने लिखा है कि भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत गैर कार्यपालक कर्मचारियों के लिए अर्द्ध आकस्मिक अवकाश की सुविधा शुरु कराने हेतु पुर्व में कई मांग पत्र दिया था। जिस पर बीएसपी प्रबंधन ने अभी तक कोई भी जवाब नही दिया है। जबकि बीएसपी प्रबंधन द्वारा अपने अधिकारी वर्ग के लिए यह सुविधा लागु किया गया है। वही सेल के दूसरी कई यूनिटों में यह सूविधा पहले से लागु है ।

बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागु होने के बाद कर्मियों को निजी कार्यों से आधे समय के लिए संयंत्र से बाहर जाने पर 1 उछ को छुट्टी के रुप में लगाना पर रहा है । जिसके कारण कर्मचारियों को कई छुट्टी छोटे कार्यों में ही खत्म हो जाता है। यूनियन ने अपने पत्र में प्रबंधन को चेतावनी दिया है कि कर्मियों के हितो को ध्यान में रखते हुए तथा एक कंपनी में एक समान नियम को लागु करने के लिए अर्द्ध आकस्मिक अवकाश की सूविधा को लागु करे नही तो हमारी यूनियन विवश होकर अनफेयर लेबर प्रैक्टिस का औद्योगिक विवाद दायर करेगी । यूनियन ने पत्र की प्रतिलिपि निदेशक प्रभारी, भिलाई इस्पात संयंत्र तथा उप मुख्य श्रमायुक्त (कें.) रायपुर को भी भेजा है ।

प्रबंधन की इस गलत नीति का विरोध

बीएसपी प्रबंधन का एक सुत्रीय कार्यक्रम है कि छोटे-छोटे लाभ के लिए भी बीएसपी कर्मचारियों को तरसा दो ताकि कर्मचारियों के आवाज को दबाया जा सके । प्रबंधन की इस गलत नीति का विरोध सभी फोरम पर जारी रखा जायेगा ।

किशोर कुमार, महासचिव बीएकेएस भिलाई

1 लाख परिवारों के अन्न से बनेगा श्रीरामनवमी का महाप्रसाद

भिलाई में 41वें वर्ष भव्य आयोजन, 26 मार्च को निकलेगी विशाल शोभायात्रा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

राम नवमी के अवसर पर श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा इस वर्ष भी भव्य आयोजन किया जा रहा है। 26 मार्च को होने वाले इस कार्यक्रम में जिले के 1 लाख से अधिक परिवारों से संग्रहित अन्न से महाप्रसाद तैयार किया जाएगा, जो आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता होगी।

समिति द्वारा यह आयोजन लगातार 41वें वर्ष किया जा रहा है, जो अब मध्य भारत के सबसे बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में अपनी पहचान बना चुका है।

'एक मुट्ठी दान– श्रीराम के ' अभियान की सफलता

समिति ने 22 फरवरी से 'एक मुट्ठी दान–श्रीराम के नाम' अभियान चलाया, जिसमें भिलाईवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अभियान के तहत अब तक 1 लाख से अधिक परिवारों से अन्न संग्रहित किया जा चुका है।

भव्य शोभायात्राएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम

कार्यक्रम के तहत जिले के 12 प्रखंडों से शोभायात्राएं निकाली जाएंगी, जो तय मार्गो से होते हुए रामलीला मैदान पावर हाउस पहुंचेंगी। इसमें बाबा भोलेनाथ, चतुर्भुजी भगवान, मां बम्लेश्वरी और मां दंतेश्वरी की भव्य झांकियां शामिल होंगी। साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

प्रमुख संत और जनप्रतिनिधि होंगे शामिल

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राम बालकदास महात्यागी (श्री पाटेश्वर धाम) उपस्थित रहेंगे। वहीं अतिथि के रूप में गजेंद्र यादव, गुरु खुशवंत साहेब और प्रेमप्रकाश पाण्डेय सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

तैयारियां अंतिम चरण में

समिति के पदाधिकारियों के अनुसार आयोजन की सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मुख्य शाखा, महिला शाखा और युवा शाखा द्वारा लगातार शहरभर में आमंत्रण दिया जा रहा है। भिलाईवासियों के उत्साह और समर्पण से यह आयोजन हर साल और भव्य होता जा रहा है, जो आस्था और सामाजिक एकता का बड़ा प्रतीक बन चुका है।

अंबेडकर नगर व नेहरू भवन क्षेत्र के घर-घर से जुटा अन्न, रामनवमी को लेकर दिखा उत्साह

'एक मुट्ठी दान - श्रीराम के नाम' अभियान में उमड़ा जनसैलाब

राम नवमी के मद्देनजर शहर में चल रहे एक मुट्ठी दान – श्रीराम के नाम अभियान को वार्ड 15 अंबेडकर नगर और वार्ड 17 नेहरू भवन में जबरदस्त जनसमर्थन मिला। क्षेत्रवासियों ने घर-घर से एक मुट्ठी अन्न दान कर 26 मार्च को बनने वाले महाप्रसाद में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ क्षेत्र में घर-घर पहुंचकर लोगों को इस पावन अभियान से जोड़ा गया।

भक्ति और एकजुटता का दिखा अनोखा संगम

कार्यक्रम में सैकड़ों रामभक्तों ने स्वेच्छा से हिस्सा लेकर इसे सफल बनाया। माताओं-बहनों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने बढ़-चढ़कर योगदान देते हुए

पार्षद ने जताया आभार

वार्ड 15 के पार्षद संतोष मौर्य ने कहा कि यह आयोजन भावपूर्ण और अत्यंत सफल रहा। उन्होंने सभी सहयोगियों का आभार जताते हुए कहा कि ऐसी एकजुटता और भक्ति से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

घर-घर पहुंचा अभियान

कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाते हुए दिव्या रतन भसीन ने बताया कि सुपेला और वैशाली नगर क्षेत्र में घर-घर जाकर लोगों को इस अभियान से जोड़ा गया। रामनवमी के इस पावन अवसर पर भिलाई में आस्था, सेवा और समर्पण का यह अभियान सामाजिक एकता का प्रतीक बनकर उभर रहा है।

शराब के लिए पैसे नहीं मिलने पर बेटे ने घर में लगाई आग

नई दृष्टिबिंदु / जामुल

जिले के जामुल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खेरधा में एक युवक द्वारा शराब के लिए पैसे नहीं मिलने पर अपने ही घर में आग लगाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना 22 मार्च 2026 की रात करीब 10 बजे की है। ग्राम खेरधा निवासी मीना धृतलहरे ने थाना जामुल में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका पुत्र पुनित धृतलहरे शराब पीने के लिए पैसे मांग रहा था। पैसे देने से मना करने पर वह आक्रोशित हो गया और घर में आग लगाने की धमकी देते हुए सिगड़ी में कपड़ा जलाकर आग लगा दी।

देखते ही देखते आग पूरे घर में फैल गई, जिससे घर में रखे सामान जलकर खाक हो गए। इस घटना में करीब 2 लाख 50 हजार रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की और घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी पुनित धृतलहरे (30 वर्ष) के खिलाफ अपराध क्रमांक 187/2026 के तहत धारा 326(छ) बीएनएस में मामला दर्ज कर कार्रवाई की है।

श्रमिक मुद्दे पर बड़ा टकराव, हड़ताल पर अड़ी यूनियन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

श्रमायुक्त ने BSP - FSNL प्रबंधन को तलब किया

औद्योगिक क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच श्रमिकों के मुद्दे पर बड़ा टकराव सामने आया है। अखिलेश राय (उप क्षेत्रीय श्रमायुक्त) ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भिलाई स्टील प्लांट (BSP) और FSNL के उच्च प्रबंधन को उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

यूनियन ने साफ कर दिया है कि श्रमिकों को रोजगार सुरक्षा दिए बिना पीछे हटने वाली नहीं है और जरूरत पड़ी तो हड़ताल तेज की जाएगी।

टेंडर में रोजगार गारंटी की मांग

यूनियनों की प्रमुख मांग है कि FSNL के श्रमिकों को हटाए बिना नए ठेके में रोजगार की गारंटी को अनिवार्य शर्त के रूप में जोड़ा जाए। साथ ही 46 वर्षों से काम कर रहे कर्मचारियों को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL) या MSTC Limited में समायोजित करने की मांग भी उठाई गई है।

हजारों रोजगार पर संकट

यूनियन नेताओं के अनुसार, यदि मांगें नहीं मानी गईं तो भिलाई में 1000 ठेका श्रमिक, देशभर में 6000 से अधिक श्रमिक, साथ ही 373 स्थायी कर्मचारी और अधिकारी प्रभावित होंगे।

औद्योगिक अशांति की चेतावनी

यूनियन के अरुण सिंह सिसोदिया सहित अन्य नेताओं ने चेतावनी दी है कि श्रमिकों की अनदेखी से औद्योगिक अशांति बढ़ेगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए आज श्रम विभाग, प्रबंधन और यूनियन के बीच बैठक प्रस्तावित है, जिसमें समाधान निकालने की कोशिश की जाएगी। श्रमिकों के भविष्य पर टिकी इस बैठक को लेकर भिलाई औद्योगिक क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है।

अस्मिता वेस्ट जोन हाकी लीग का फायनल मैच : हॉकी मध्यप्रदेश ने मेजबान छत्तीसगढ़ को 5-1 से किया पराजित, खिताब किया अपने नाम

हॉकी महाराष्ट्र रही तीसरे स्थान पर, उपस्थित अतिथियों के हाथों खिलाड़ी हुए पुरस्कृत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

अंतर्राष्ट्रीय एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में भारत सरकार के सांई सेंटर व हॉकी इंडिया, के द्वारा संचालित व छत्तीसगढ हॉकी के द्वारा आयोजित अस्मिता हॉकी वेस्ट जोन हॉकी लीग के फायनल मुकाबले में हॉकी मध्यप्रदेश ने मेजबान छत्तीसगढ़ को 5-1 गोल से पराजित करते हुए स्वर्ण पदक के साथ विजेता बनी मेजबान छत्तीसगढ़ रजत पदक के साथ उपविजेता व तीसरे स्थान पर हॉकी महाराष्ट्र ने कॉस्य पदक जीता प्रतियोगिता का समापन व पुरूस्कार वितरण समारोह श्रीमती भारती गवाते मुख्य आथित्य में, श्रीमती अमृता मोहन सिन्हा पार्षद, श्रीमती रेखा पदम,फिरोज अंसारी अध्यक्ष छत्तीसगढ हॉकी, विद्याविलाश वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी, शिव नारायण धकेता सचिव जिला हॉकी संघ, मृणाल चौबे अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाडी, भूषण साव, नीलमचंद जैन, छोटे लाल रामटेके पार्षद, के विशिष्ठ आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

अस्मिता वेस्ट जोन हॉकी लीग सब जूनियर बालिका वर्ग का पुरूस्कार वितरण शामिल होने का अवसर मिला उसके लिए मै आयोजन समिति का धन्यवाद ज्ञापित करता हूॅ उन्होने कहा आज प्रदेश की बेटीयां भारत में प्रतिनिधित्व कर रही है वह निश्चित रूप से गौरव की बात है इस प्रकार के आयोजन करने से प्रदेश के छुपे हुए टैलेंट को बाहर निकलने का मौका मिलता है। मैं देखते आ रही हूं श्री अंसारी लगातार हॉकी को बढ़ाने के क्षेत्र में काम करते रहते है और इस प्रकार का आयोजन करते रहते है उनकी इस प्रयास से राजनांदगांव के खिलाड़ी निखर के सामने आ रहे है। विजेता टीम को शुभकामनाएं देती हूं।

छत्तीसगढ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने अपने स्वागत भाषाण में कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण,हॉकी इंडिया एवं छत्तीसगढ हॉकी के संयुक्त तत्वाधान में महिला हॉकी खेल का बढावा देने के उद्धेश्य से अस्मिता वेस्ट जोन हॉकी लीग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया भारत सरकार एवं राज्य सरकार की इस पहल से खिलाडियों को उचित मंच प्रदान की गई।

अस्मिता वेस्ट जोन हाकी लीग का आयोजन 20 मार्च से 24 मार्च तक स्थानीय अंतर्राष्ट्रीय हाकी स्टेडियम में सब जूनियर बालिका वर्ग आयोजित किया। इसी संदर्भ में राजनांदगाँव में आयोजित प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर की जोन से संबंधित कुल चार टीमें महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित मेजबान छत्तीसगढ़ की टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम चार स्थान तक आने वाली टीमों को नगद राशि देकर पुरस्कृत किया जाएगा, जिसमे प्रथम पुरस्कार 180000 द्वितीय पुरस्कार 144000 तीसरा और चौथा पुरस्कार 90000 रुपये का चेक उपस्थित अतिथियों द्वारा प्रदान की गई।

हॉकी स्टेडियम में आज खेले गए फाइनल मैच में हॉकी मध्यप्रदेश और मेजबान छत्तीसगढ़ के मध्य खेला गया फायनल मैच मध्यप्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 5-1 गोल से पराजित किया मैच के प्रारंभ से ही पहले क्वाटर तक मैच बहुत ही रोमांचकारी रहा वहीं मैच के 18वे मिनट में मेजबान छत्तीसगढ़ की ओर से मनप्रीत कौर ने गोल करते हुए 1-0 गोल की बढ़त बनाई थी जिसे मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने ज्यादा समय तक बड़ी नहीं रहने दी वहीं मैच के 23वे मिनट में शालिनी सिंग ने गोल कर 1-1 गोल की बराबरी पर ल दिया मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मैच के 25वे मिनट में रूली बाल्मीकि ने मैच के 34वे मिनट में सुदीप्त किंडो ने और मैच के 40 वे और 41वे मिनट में नौशीन नाज ने गोल करते अस्मिता वेस्ट जोन हॉकी लीग प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया।

आज के मैच में प्रिया दुबे,अनामिका शर्मा,राजवीर कौर,कुलदीप कौर, खुशबू सिसोदिया,अमृता सेन,पिंकी नायक,ईशानी पटेल ने निर्णायक व तकनीकी अधिकारी की भूमिका निभाई वहीं वंदन रघुवंशी टेक्निकल डेलीगेट के रूप में उपस्थित थीं। समापन समारोह में छत्तीसगढ़ कोषाध्यक्ष सुश्री आशा थामस, प्रिंस भाटिया,अजय झा, किशोर धीवर, शब्बीर खान, चंदन भारद्वाज, तीरथ गिरी गोस्वामी, शकील अहमद, दिग्विजय श्रीवास्तव, शिवा चौबे, दिलीप रावत, योगेश द्विवेदी, सचिन खोबरागड़े, अभिनव मिश्रा, हारून खान, खुशाल यादव, सुखदेव निर्मलकार, कार्तिक यादव, तौफीक अहमद, कृष्णा यादव आदि उपस्थित थे।

अधिवक्ता संघ चुनाव : 17 पदों के लिए 64 दावेदार मैदान में

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग के 17 पदों के लिए होने वाले चुनाव में इस बार कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। 4 अप्रैल 2026 को होने वाले चुनाव के लिए कुल 64 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है।

अध्यक्ष पद पर सबसे ज्यादा मुकाबला : अध्यक्ष पद के लिए 8 दावेदार मैदान में हैं, जिनमें प्रमुख रूप से उमाभारती साहू, नीता जैन, मधुप शर्मा, गुलाब सिंह पटेल, संगीता सिंह, गिरीश चंद्र शर्मा, रमेश शर्मा और देवेंद्र कुमार गुप्ता शामिल हैं।

अन्य पदों पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष: 7 प्रत्याशी, उपाध्यक्ष (महिला): 5 प्रत्याशी, सचिव: 3 प्रत्याशी, कोषाध्यक्ष: 4 प्रत्याशी, सहसचिव (पुरुष): 4 प्रत्याशी, सहसचिव (महिला): 3 प्रत्याशी, ग्रंथपाल: 3 प्रत्याशी, क्रीड़ा-सांस्कृतिक सचिव: 2-3 प्रत्याशी और कार्यकारिणी सदस्य: 18 प्रत्याशी व महिला कार्यकारिणी सदस्य: में 4 प्रत्याशी हैं।

आज स्क्रूटनी, शाम को सूची जारी: चुनाव प्रक्रिया के तहत 25 मार्च को दोपहर 2:30 बजे तक नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी की जाएगी। इसके बाद शाम 5 बजे प्रारंभिक प्रत्याशियों की सूची जारी होगी।

27 मार्च तक नाम वापसी : प्रत्याशी 27 मार्च को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक नाम वापस ले सकेंगे, जिसके बाद शाम 5 बजे अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी। दुर्ग अधिवक्ता संघ के इस चुनाव में बड़ी संख्या में उम्मीदवारों की भागीदारी से मुकाबला दिलचस्प और रोमांचक होने की संभावना है।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंदु स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।